# हिंदी विभाग

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

# हैण्ड बुक

**2021-22**

## परिचय

हिन्दी विभाग की स्थापना वर्ष 1987 में की गयी। अपने आरम्भ से ही विभाग में अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ हिन्दी के विकास तथा प्रसार हेतु काव्यगोष्ठी, साहित्यिक परिचर्चा की परंपरा रही है। विगत एक दशक से कार्यशालाओं, नाट्य-प्रस्तुतियों के साथ साहित्य वार्ता जैसे बहु आयामी शैक्षणिक गतिविधियों का श्रृंखलाबद्ध आयोजनों किया जा रहा है। सक्रिय कार्यक्रमों के संचालन से विद्यार्थी अध्ययन सत्र के दौरान जीवन में साहित्य के महत्त्व और उपयोगिता से अवगत होते हैं। हिन्दी विभाग नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुये शोधपरक कार्यों में संलग्न है। विद्यार्थियों में लोक तथा शिष्ट साहित्य को आधुनिक दृष्टि से परखने की योग्यता विकसित करना, लोक से विश्व के दौर में अपना स्थान निर्धारित करते हुए लोक का विश्व से और विश्व का लोक से अंत:संबंध स्थापित करना अध्ययन और अध्यापन का उद्देश्य है। हिन्दी विभाग का लक्ष्य ऐसे शोध कार्य करने-कराने का है जिससे समाज को मूल्यपरक दिशा प्राप्त हो सके। यह विभाग समूह चर्चा, विभागीय जाँच, स्वमूल्यांकन पद्धति, पारदर्शी मूल्यांकन, सेमिनार आदि पर बल देता है। विभाग में देश के ख्याति प्राप्त चिंतक समय-समय पर व्याख्यान हेतु आमंत्रित किए जाते हैं। विभागीय शिक्षक भी राष्ट्रीय सेमिनार, सम्मेलनों में अध्यक्ष, विशिष्ट वक्ता आदि के रूप में आमंत्रित किए जाते हैं। प्रादेशिक राष्ट्रिय तथा विश्व साहित्य से अंत:संबंध रखने हेतु तुलनात्मक अध्ययन और शोध पर विशेष ध्यान दिया जाता है। हिन्दी विभाग छात्रों को साहित्य के रचनात्मक क्षेत्र में ही नहीं बल्कि शिक्षण कार्य, स्वयंसेवी संगठनों, प्रेस और रंगमंच से भी जोड़ता है।

## शैक्षणिक सदस्य :-

विभाग में वर्तमान में 01 आचार्य, 01 सह आचार्य, 02 सहायक प्राध्यापक, 06 अस्थाई सहायक प्राध्यापक कार्यरत हैं।

| | |
|---|---|
| आचार्य | डॉ.देवेन्द्र नाथ सिंह |
| सह-आचार्य | डॉ. गौरी त्रिपाठी |
| सहायक प्राध्यापक | डॉ. रमेश कुमार गोहे |
| | श्री मुरली मनोहर सिंह |
| सहायक प्राध्यापक (अस्थाई) | डॉ. राजेश मिश्रा |
| | डॉ. शोभा बिसेन |
| | डॉ. अखिलेश गुप्ता |
| | डॉ.लोकेश कुमार |
| | डॉ. अनीश कुमार |
| | डॉ. अप्पासाहेब जगदाले गोरक्ष |

## गैरशैक्षणिक सदस्य :-

| | |
|---|---|
| कार्यालय बाबू | राजकुमार कसेर |
| सहायक | कृपाराम भैना |

## पाठ्यक्रम:-

हिन्दी विभाग में तीन पाठ्यक्रम संचालित हैं - 1- स्नातक प्रतिष्ठा, 2- स्नातकोत्तर, 3-पीएच-डी.। इन तीनो पाठ्यक्रमों में सम्प्रेषण कौशल के विभिन्न तरीकों यथा दृश्य-श्रव्य माध्यम, श्यामपट्ट प्रयोग, व्याख्यान तथा पावर प्वाईंट प्रजेंटेशन जैसे माध्यमों का उपयोग होता है जो विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के संकल्पित लक्ष्य तक पहुचाता है। संचालित पाठ्यक्रमों को इस प्रकार व्यवस्थित किया गया है कि विद्यार्थी सहज ही उससे तादात्म्य स्थापित कर लेते है। विद्यार्थी शैक्षणिक-साहित्यिक जगत से जुड़ते हैं और उनमें अपना योगदान देने योग्य बन पाते हैं, विद्यार्थियों का आत्मविश्वास उन्हें पठन-पाठन में उत्सुक और समर्पित बनाता है, उनमे सद्गुणोंका विकास होता है। मीडिया-लेखन, अनुवाद, वाद-कौशल की क्षमता विकसित होती है और वे हिन्दी की विधाओं को समझने में सक्षम हो पाते हैं। विद्यार्थियों में समाज के सभी वर्गों के प्रति जातीय समरसता, लैंगिक-संवेदनशीलता और धार्मिक सहिष्णुता का विकास होता है। वे पाठ्यक्रम पूरा करते-करते अपनी योग्यतानुरूप रोजगारोन्मुख हो जाते है और राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा तथा सहायक प्राध्यापक परीक्षा के लिए शैक्षणिक और मानसिक रूप से तैयार हो जाते हैं।

## पत्रिका का प्रकाशन

'स्वनिम ' हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ की एक संस्थागत पत्रिका है। यह हिन्दी के सर्जनात्मक साहित्य, शोध और आलोचना पर केन्द्रित पूर्वसमीक्षित व संदर्भित त्रैमासिक पत्रिका है। पत्रिका की मूल विषयवस्तु में हिन्दी साहित्य की प्रमुख विधाएं शामिल की गई हैं। वास्तव में साहित्य की नाना विधाओं में नवोन्मेष की दृष्टि से छत्तीसगढ़ का हमेशा से ऐतिहासिक महत्त्व रहा है । छायावाद की पहली आलोचना मुकुटधर पांडेय ने यहीं से लिखी थी। यशस्वी लेखक माधवराव सप्रे ने पड़ोस के पेंड्रा कस्बा, जो कि अब जिला मुख्यालय हो चुका है, यहीं रहते हुए हिंदी की पहली कहानी 'टोकरी भर मिट्टी' लिखी थी। 'एक भारतीय आत्मा' कहे जाने वाले पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ने 'पुष्प की अभिलाषा' जैसी कविता, जो कालांतर में स्वाधीनता संग्राम का राष्ट्रीय स्वर बन गयी, उसे बिलासपुर की केंद्रीय जेल में रहते हुए लिखा था। ऐसे में यहां के हिन्दी विभाग की रचनात्मक पहल स्वरूप 'स्वनिम' पत्रिका का सम्पादन और प्रकाशन की ऐतिहासिक शुरुआत है। हिन्दी विभाग की यह शुरुआत निश्चय ही शोध व साहित्य के खाली छूट गए पन्नों को भरने का कार्य करेगी। हिन्दी साहित्य में नवाचार हेतु पत्रिका प्रतिबद्ध है। यह उसका मूल दायित्व है।

यह पत्रिका ऑनलाइन माध्यम से प्रकाशित होती है। जो कि गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित होती है। पत्रिका में हिन्दी साहित्य, समाज, संस्कृति व इतिहास से संबन्धित विषयों पर रचनाएं स्वीकार की जाती हैं।

## शिक्षण :-

वर्तमान में सम्प्रेषण कौशल के विभिन्न तरीकों यथा दृश्य-श्रव्य माध्यम, श्यामपट्ट प्रयोग, व्याख्यान, पावर प्वाईंट प्रजेंटेशन के माध्यम से विभागीय अध्यापन कार्य संचालित होता है जिससे विद्यार्थी पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन को सहज ही आत्मसात कर लेते हैं।

**मूल्यांकन :-**

विभाग एक सत्र में दो आतंरिक मूल्यांकन, दो मुख्य परीक्षा के साथ विशेष परिस्थितियों में विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के निर्देशानुसार ATKT परीक्षा, अधिन्यास लेखन आदि रूपों में परीक्षाओं का आयोजन करता है जिसके केन्द्रीय-मूल्यांकनव्यवस्था से परीक्षार्थी अपनी योग्यता, सक्षमता और कौशल का मूल्यांकनकर सकतें है। मूल्यांकनएक सतत प्रक्रिया है, विभाग विद्यार्थी के सम्पूर्ण व्यक्तित्व को वर्ष पर्यंत मूल्यांकितकरता है और उन्हें समय समय पर आवश्यक और अपेक्षित सुझाव देते रहता है।

**मूल्यांकनप्रक्रिया की समेकित संरचना इस प्रकार है :-**

| **क्रम** | **मूल्यांकनप्रविधि** | **अंक** | **मूल्यांकन की तिथि/ सत्र** | **सीखने का परिणाम** | **मूल्यांकन पूर्ण होने की तिथि** |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रथम आतंरिकमूल्यांकन (प्रश्न-पत्र के उत्तर प्राप्त होने पर ) [15 कक्षाओं के बाद ] | 15 अंक | विभागीय अनुदेश प्राप्त होने पर | 1,2,3,4,5,6 | विभागीय अनुदेश प्राप्त होने पर |
| 2 | द्वितीय आतंरिकमूल्यांकन (प्रश्न-पत्र के उत्तर प्राप्त होने पर ) [26 कक्षाओं के पश्चात्] | 15 अंक | विभागीय अनुदेश प्राप्त होने पर | मूल्यांकन के प्राप्तांकों के अनुसार | विभागीय अनुदेश प्राप्त होने पर |
| 3 | **अंकविभाजन** | | | | |
| 4 | **प्रथम आतंरिकमूल्यांकन** | **15 अंक** | | | |
| 5 | **द्वितीय आतंरिकमूल्यांकन** | **15 अंक** | | | |
| 5 | **मुख्य परीक्षा सत्रांत** | **70 अंक** | | | |
| | **कुल** | **100** | | | |

**1. <u>उपस्थिति के अंकों का आबंटन</u>: (5अंक)**

75% से 80% = 02अंक.

81% से 85% = 03 अंक.

86% से 90% = 04 अंक.

91% से 100% = 5 अंक.

| प्रदर्शन मापदंड | विषय | सटीक सूचना | समय सीमा का ध्यान | कुल प्राप्तांक |
|---|---|---|---|---|
| | 3 | 1 | 1 | 5 |
| अति उत्कृष्ट | | | | 5 |
| बहुत अच्छा | | | | 4 |
| अच्छा | | | | 3 |
| सामान्य | | | | 2 |
| खराब | | | | 1 |

2. अधिन्यास कार्य के अंकों का आबंटन I

3. अधिन्यास कार्य के अंकों का आबंटन II

| प्रदर्शन मापदंड | विषय | विषय की समझ और गहराई | समेकित प्रस्तुति मौखिकी सहित | समय सीमा का ध्यान | कुल प्राप्तांक |
|---|---|---|---|---|---|
| | 3 | 1 | 5 | 1 | 10 |
| अति उत्कृष्ट | | | | | 9-10 |
| बहुत अच्छा | | | | | 7-8 |
| अच्छा | | | | | 5-6 |
| सामान्य | | | | | 3-4 |
| खराब | | | | | <3 |

4. अधिन्यास कार्य का परिणाम – .....%

## आयोजन / गतिविधियां :-

विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता, सम्प्रेषण कला की दक्षता और प्रभावशाली प्रस्तुतियों की कुशलता को विकसित करने और सहभागिता पूर्ण तथा अनुभव के आधार पर सीखने हेतु विभाग प्रत्येक शुक्रवार को साहित्यवार्ता का साप्ताहिक आयोजन करता है। विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थी इस आयोजन का लाभ पा सकें इसलिए यह एक खुला मंच है जहाँ वे स्वयं को अपेक्षित निर्मिति दे सकतें हैं। कविता पाठ, कहानी

लेखन, आलोचना, लोककला, साहित्य, संगीत, रंगमंच और अभिनय जैसी विधाओं की समझ साहित्यवार्ता से प्राप्त की जा सकती है। साहित्यवार्ता के अंतर्गत विद्यार्थी अपने रचनात्मक, आलोचनात्मक, शोधात्मक और वक्तृत्व कौशल को विभागीय प्राध्यापकों के निर्देशन में अर्जित कर सकता है।

- प्रत्येक शुक्रवार को साप्ताहिक कार्यक्रम 'साहित्य वार्ता' का आयोजन किया जाता है
- प्रत्येक वर्ष 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस पर शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है
- प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को विभाग में हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।
- विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

## स्मृति-दृश्य :-

शपथ ग्रहण

नशा मुक्ति दिवस शपथ ग्रहण 2018

"कबीर और प्रेमचन्द" विषय पर आयोजित व्याख्यान -

साहित्य वार्ता कार्यक्रम

# स्नातक पाठ्यक्रम

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

---

हिंदी विभाग

(कला अध्ययनशाला)

सत्र : **2021-22** एवं क्रमशः हेतु

संचालित पाठ्यक्रम

स्नातक पाठ्यक्रम के चयन आधारित स्तरीय प्रणाली

**(Choice Based Credit System)**

की सत्रीय व्यवस्था युक्त

---

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)**

**हिंदी विभाग**

**(कला अध्ययनशाला)**

**अध्ययनमण्डल (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त**

**बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर**

| क्र. | अध्ययनमंडल के सदस्यगण | | हस्ताक्षर |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रो. देवेन्द्र नाथ सिंह - आचार्य,<br>विभागाध्यक्ष : हिंदी विभाग,<br>एवं अधिष्ठाता, कला अध्ययनशाला,<br>गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) | अध्यक्ष | |
| 2. | प्रो. खेम सिंह डहेरिया - प्राध्यापक,<br>हिंदी विभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (म.प्र.) एवं मा. कुलपति (अटलबिहारी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल) (मान. कुलपतिजी द्वारा नामित सदस्य) | सदस्य | |
| 3. | डॉ. गौरी त्रिपाठी - सह प्राध्यापक<br>हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग) | सदस्य | |
| 4. | डॉ. रमेश कुमार गोहे - सहायक प्राध्यापक<br>हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) | सदस्य | |
| 5. | श्री मुरली मनोहर सिंह- सहायक प्राध्यापक<br>हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) | सदस्य | |

## अनुक्रमणिका


| क्र. | पाठ्यक्रम | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 1. | पाठ्यक्रम परिचय | |
| 2. | क्रेडिट विभाजन एवं पाठ्यक्रम संरचना | |
| 3. | पाठ्यक्रम विभाजन का नमूना | |
| 4. | स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS) | |

**Table 1: क्रेडिट विभाजन**

| Courses | Credits | | |
|---|---|---|---|
| | **Theory + Practical** | **Theory + Tutorial** | **Theory + Tutorial + Practical** |
| Core Courses (14 courses) | (3 + 2) x 14 = 70 | (4 + 1) x 14 = 70 | (3 + 1 +1) x 14 = 70 |
| Generic Elective (4 courses) | (3 + 2) x 4 = 20 | (4 + 1) x 4 = 20 | (3 + 1 +1) x 4 = 20 |
| Discipline Specific Elective (3 courses) | (3 + 2) x 3 = 15 | (4 + 1) x 3 = 15 | (3 + 1 +1) x 3 = 15 |
| Ability Enhancement Course (5 Courses) | (1 + 1) x 5 = 10 | (2 + 0) x 5 = 10 | (0 + 0 + 2) x 5 = 10 |
| Skill Enhancement Course (2 Courses) | (1 + 1) x 2 = 4 | (2 + 0) x 2 = 4 | (0 + 0 + 2) x 2 = 4 |
| Dissertation (1 Course) | 6 | 6 | 6 |
| Seminar (1 Course) | 2 | 2 | 2 |
| Internship (1 Course) | 6 | 6 | 6 |
| Additional Credit Courses (Optional) | Actual as per university notification | Actual as per university notification | Actual as per university notification |
| MOOC's Courses*** | 2-5 | 2-5 | 2-5 |
| Total | **133** | **133** | **133** |

**Table 2: पाठ्यक्रम संरचना**

| Semester | Core Courses (14) | GE (4) | DSE (4*) | AEC (5) | SEC (2) | Seminar (1) | Dissertation (1) | Internship (1) | Additional Credit Courses (Optional) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | C1<br>C2 | GE1 | | AEC1 | SEC1 | | | | |
| II | C3<br>C4 | GE2 | | AEC2 | SEC2 | | | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| III | C5<br>C6<br>C7 | GE3 | | AEC3 | | | | | |
| IV | C8<br>C9<br>C10 | GE4 | | AEC4 | | | | | |
| V | C11<br>C12 | | DSE1<br>DSE2 | AEC5 | | | | | |
| VI | C13<br>C14 | | DSE3 | | | Seminar | Dissertation | | |
| Summer | | | | | | | | Internship | |
| MOOC's*** | | | | | | | | | |

## **B.A. Hindi Template** for Semester wise courses

| **Semester** | **Course** | **Course Code** | **Course Name** | **Credits** |
|---|---|---|---|---|
| **I** | C1 | HIUATT1 | हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक) | 5 |
| | C2 | HIUATT2 | हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) | 5 |
| | GE1 | HIUATG1 | कला और साहित्य | 5 |
| | AEC1 | HIUATA1 | हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण | 2 |
| | AEC1 | HIUATA2 | हिंदी भाषा | 2 |
| | SEC1 | HIUATL1 | रचनात्मक लेखन | 2 |
| | Additional Credit Course | | | |
| | **Total** | | | **19** |
| **II** | C3 | HIUBTT1 | आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता | 5 |
| | C4 | HIUBTT2 | आधुनिक हिंदी कविता(छायावाद तक) | 5 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | GE2 | HIUBTG1 | आधुनिक भारतीय साहित्य | 5 |
| | AEC2 | HIUBTA2 | हिंदी भाषा : एक सामान्य परिचय | 2 |
| | SEC2 | HIUBTL1 | साहित्य और हिंदी सिनेमा | 2 |
| | Additional Credit Course | | | |
| | **Total** | | | **19** |
| **III** | C5 | HIUCTT1 | छायावादोत्तर हिन्दी कविता | 5 |
| | C6 | HIUCTT2 | भारतीय काव्यशास्त्र | 5 |
| | C7 | HIUCTT3 | पाश्चात्य काव्यशास्त्र | 5 |
| | GE3 | HIUCTG1 | पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य | 5 |
| | AEC3 | HIUCTA1 | हिंदी संचार माध्यम | 2 |
| | Additional Credit Course | | | |
| | **Total** | | | **22** |
| **IV** | C8 | HIUDTT1 | भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा | 5 |
| | C9 | HIUDTT2 | हिंदी उपन्यास | 5 |
| | C10 | HIUDTT3 | हिंदी कहानी | 5 |
| | GE4 | HIUDTG1 | सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र | 5 |
| | AEC4 | HIUDTA1 | हिंदी का बाजार और बाजार में हिंदी | 2 |
| | Internship* | HIUDE | अधिन्यास कार्य | 6** |
| | Additional Credit Course | | | |
| | **Total** | | | **22 + 6** |
| | C11 | HIUET | हिंदी नाटक एवं एकांकी | 5 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | T1 | | |
| | C12 | HIUET T2 | हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ | 5 |
| **V** | DSE1 | HIUET D1 | लोक साहित्य | 5 |
| | DSE2 | HIUET D2 | राष्ट्रीय काव्यधारा | 5 |
| | AEC5 | HIUET A1 | हिंदी साहित्य : समय और समाज | 2 |
| | Additional Credit Course | | | |
| | **Total** | | | **22** |
| | C13 | HIUFT T1 | हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता | 5 |
| | C14 | HIUFT T2 | प्रयोजनमूलक हिंदी | 5 |
| **VI** | DSE3 | HIUFT D1 | छायावाद | 5 |
| | Seminar | HIUFS | सेमिनार एवं संगोष्ठी | 2 |
| | Dissertation/Project | HIUFD | | 6 |
| | Additional Credit Course | | | |
| | **Total** | | | **23** |
| MOOC's | | | | **2-5** |

## स्नातक हिंदी (ऑनर्स) प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र : 1

**हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUATT1

**आदिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य रासो काव्य, लौकिक साहित्य

**भक्तिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य

**रीतिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

## स्नातक हिंदी (ऑनर्स) प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र : 2

**हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUATT2

**आधुनिक काल :**

राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, हिंदी नवजागरण।

भारतेन्दु युग

द्विवेदी युग

छायावाद

प्रगतिवाद

प्रयोगवाद

नई कविता

समकालीन कविता

**हिंदी गद्य का विकास :**

स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

## स्नातक हिंदी प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र : GE1

## GENERIC ELECTIVE

**कला और साहित्य**

पाठ्यक्रम संख्या : HIUATG1

**खंड (क)**

1. कला के रूप
2. कला और समाज
3. भारतीय सौंदर्यशास्त्र और कला के शाश्वत तत्व
4. लोक साहित्य की अवधारणा

**खंड (ख)**

1. अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चंद्र (नाटक)
2. आँगन में बैंगन : हरिशंकर परसाई (निबंध)
3. नशा : प्रेमचंद (कहानी)
4. मास्टर : नागार्जुन (कविता)

## स्नातक हिंदी प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र : AEC1

## ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC1)

**हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण**

पाठ्यक्रम संख्या : HIUATA1

- हिंदी व्याकरण एवं रचना - संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां।
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्व
- संप्रेषण के प्रकार एवं माध्यम
- संप्रेषण की तकनीक
- संप्रेषण के चरण : श्रवण एवं अभिव्यक्ति

# स्नातक हिंदी प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र : AEC1

## ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC1)

**हिंदी भाषा**

पाठ्यक्रम संख्या : HIUATA2

**भाषा एवं रचना :**

हिंदी ध्वनियों का सामान्य परिचय, ध्वनि-परिवर्तन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, हिंदी में आगत विदेशी ध्वनियाँ।

**साहित्य-खंड (गद्य) :**

| | | |
|---|---|---|
| पंच परमेश्वर | : | प्रेमचंद |
| फूलो का कुर्ता | : | यशपाल |
| भोलाराम का जीव | : | हरिशंकर परसाई |

**साहित्य-खंड (काव्य) :**

| | | |
|---|---|---|
| हिमाद्री तुंग शृंग से... | : | जयशंकर प्रसाद |
| आओ-आओ जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ | : | सूर्यकांत त्रिपाठी निराला |
| पढ़िए गीता | : | रघुवीर सहाय |

# स्नातक हिंदी प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र : SEC1

## SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC1)

**रचनात्मक लेखन**

पाठ्यक्रम संख्या : HIUATL1

❖ **रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत**

- जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति
- लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य

❖ **विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन**

क. कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

ख. विविध गद्य-विधाएँ : कहानी, नाट्क, निबंध, संस्मरण और व्यंग्य

ग. बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

❖ **सूचना-तंत्र के लिए लेखन**

- **प्रिंट माध्यम :** फीचर-लेखन, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा
- **इलेक्ट्रॉनिक माध्यम :** रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन।

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) द्वितीय सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : 3

**आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUBTT1

**1. विद्यापति -** दो पद :

1. नंदक नंदन कदम्बेरि तरुतरे.. (वंशी माधुरी)
2. कुंज-भवन सँ चलि भेलि हे... (बसंत मिलन)

**संदर्भ : (विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**

**2. कबीर -** दो पद :

1. अवधू बेगम देस हमारा...
2. अमरपुर ले चलु हो सजना...

**संदर्भ : (कबीर ग्रथांवली - श्याम सुंदर दास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**

**3. जायसी -** पद्मावत :

मानसरोदक खंड

**संदर्भ : (पद्मावत - सं. रामचन्द्र शुक्ल)**

**4. सूरदास -** 1. लरिकाई को प्रेम...

2. बिन गोपाल बैरनि भईं कुंजै...
3. हमारे हरि हारिल की लकरी...

**संदर्भ : (भ्रमरगीत सार - सं. रामचन्द्र शुक्ल)**

**5. तुलसीदास -** अवधेस के द्वारें सकारें गई... (कवितावली : बालकाण्ड)

खेती न किसान को... (कवितावली)

**6. रहीम -** 1. अमर बेलि बिनु मूल की...

2. आप न काहू काम के...
3. एक उदर दो चोंच है...
4. कदली, सीप, भुजंग-मुख...
5. गरज आपनी आपसों...

**संदर्भ : (रहीम ग्रन्थावली - विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन)**

**7. मीरा -** 1. राणाजी थे क्याँने राखो म्हाँसूँ बैर...

2. साँवलिया म्हारो छाय रह्या परदेस...

3. करम गत टाराँ णा री टराँ...

**संदर्भ : (मीरा का काव्य/ मीराँ पदावली - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन)**

**8. बिहारी -** 1. सीस-मुकुट कटि-काछनी...

2. करौ कुबत जग कुटिलता...

3. पत्रा ही तिथि पाइयै...

4. भाल लाल बेंदी ललन...

5. उड़नि गुड़ी लखि ललन की...

**संदर्भ : (बिहारी रत्नाकर - सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर)**

**9. घनानंद** 1. मीत सुजान अनीति करौ जिन...

2. तब तौ छवि पीवत जीवत हे...

**संदर्भ : (घनानंद कवित्त - जगन्नाथदास रत्नाकर)**

**10. रसखान -** 1. गुन्ज गरै सिर मोरपखा...

2. लाय समाधि रहे ब्रह्मादिक योगी...

**संदर्भ : ( सुजान रसखान - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)**

**11. नज़ीर अकबराबादी :** कौड़ी है जिसके पास... (बुद्धिमानों की बातें)

**संदर्भ : (कविता-समय – डॉ. गौरी त्रिपाठी)**

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) द्वितीय सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : 4

**आधुनिक हिंदी कविता(छायावाद तक)**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUBTT2

1. **श्रीधर पाठक** : कश्मीर सुषमा

2. **हरिऔध** : दिवस का अवसान समीप था...

(प्रिय प्रवास : प्रथम सर्ग - प्रारंभ से दस छंद)

3. **मैथिलीशरण गुप्त** : दोनों ओर प्रेम पलता है...

(साकेत : नवम सर्ग - प्रारंभ से दस छंद)

4. **मुकुटधर पाण्डेय** : किसान

5. **जयशंकर प्रसाद** **:** 'स्वप्न' सर्ग

('कामायनी' - काव्य संग्रह से)

6. **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला** **:** जूही की कली, स्नेह निर्झर बह गया है

('राग-विराग' – सं. रामविलास शर्मा)

7. **सुमित्रानंदन पंत** **:** परिवर्तन

('तारापथ' - काव्य संग्रह से)

8. **महादेवी वर्मा** **:** बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ..

(दीपशिखा - काव्य संग्रह से)

**स्नातक हिंदी द्वितीय सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : GE2

**GENERIC ELECTIVE**

**आधुनिक भारतीय साहित्य**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUBTG1

❖ स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव

❖ भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता

❖ महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

❖ मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

**पाठ्य पुस्तकें:**

**(उपन्यास)**

- ❖ आनंद मठ : बंकिम चंद्र
- ❖ मृत्युंजय : शिवाजी सावंत
- ❖ संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति

**(कविता)**

- ❖ सुब्रमण्य भारती : स्वतंत्रता (तमिल कविता)

**संदर्भ:** आधुनिक भारतीय कविता – सं. डॉ. अवधेश नारायण मिश्र, डॉ. नंदकिशोर पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

**स्नातक हिंदी द्वितीय सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : AEC2

## ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC2)

**हिंदी भाषा : एक सामान्य परिचय**

पाठ्यक्रम संख्या : HIUBTA1

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिंदी की वर्ण-व्यवस्था : स्वर एंव व्यंजन।
- स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत
- व्यंजन के प्रकार - स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्प्रप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।
- वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दंत्योष्ठ्य।
- बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि।

**स्नातक हिंदी द्वितीय सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : SEC2

## SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC2)

**साहित्य और हिंदी सिनेमा**

पाठ्यक्रम संख्या : HIUBTL1

❖ **सिनेमा और समाज** : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।

❖ **सिनेमा का तकनीकी पक्ष** : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा की भाषा, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।

❖ **हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास** : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।

❖ **साहित्य और सिनेमा** : अंतरसंबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक।

❖ **फिल्म समीक्षा**

**आरंभ से 1947 :** राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास।
**1947 से 1970** **:** मदर इंडिया, दो आँखे बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर।
**1970 से 1990** **:** गर्म हवा, आक्रोश, शोले, आँधी।
**1990 से अद्यतन** **:** तारे जमीं पर, थ्री इडियट्स, बैंडिट क्वीन, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस., पान सिंह तोमर, पिंक।

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) तृतीय सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : 5

**छायावादोत्तर हिन्दी कविता**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUCTT1

**1. केदारनाथ अग्रवाल** : चन्द्रगहना से लौटती बेर

**2. नागार्जुन** : शासन की बन्दूक

**3. रामधारी सिंह दिनकर** **:** समर शेष है

**4. श्यामनारायण पाण्डेय** : पद्मिनी की चिता

**5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'** : कलगी बाजरे की

**6. भवानी प्रसाद मिश्र** : गीतफरोश

**7. रघुवीर सहाय** : रामदास

**8. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना** **:** देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता

**9. कुंवर नारायण** : एक अजीब दिन, पवित्रता

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) तृतीय सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : 6

**भारतीय काव्यशास्त्र**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUCTT2

➢ काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।

- **रस सिद्धान्त** : रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- **ध्वनि सिद्धान्त** : ध्वनि की अवधारणा, ध्वनियों का वर्गीकरण।
- **अलंकार सिद्धान्त** : अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय।
- **रीति सिद्धान्त** : रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।
- **वक्रोक्ति सिद्धान्त** : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- **औचित्य सिद्धान्त** : औचित्य की अवधारणा।
- **हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास** : सामान्य परिचय।

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) तृतीय सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : 7

**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUCTT3

- **प्लेटो** : काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- **अरस्तू** : अनुकृति एवं विरेचन।
- **लोंजाइनस** : काव्य में उदात्त की अवधारणा।
- **वर्ड्सवर्थ** : काव्य भाषा का सिद्धान्त।
- **कॉलरिज** : कल्पना और फैंटेसी।
- **क्रोचे** : अभिव्यंजनावाद।
- **टी.एस. एलियट** : परंपरा और निर्वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त।
- **आई.ए. रिचडर्स** : मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त।
- नई समीक्षा, मार्क्सवादी समीक्षा।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद।

**स्नातक हिंदी तृतीय सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : GE3

## GENERIC ELECTIVE

**पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUCTG1

- ❖ अभिव्यंजनावाद
- ❖ स्वच्छंदतावाद
- ❖ अस्तित्ववाद
- ❖ मनोविश्लेषणवाद
- ❖ मार्क्सवाद
- ❖ आधुनिकतावाद
- ❖ संरचनावाद
- ❖ कल्पना, बिंब, फैंटेसी
- ❖ मिथक एवं प्रतीक

**स्नातक हिंदी तृतीय सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : AEC3

## ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC3)

**हिंदी संचार माध्यम**

पाठ्यक्रम संख्या : HIUCTA1

- **मीडिया में हिंदी :**

  - ❖ प्रिंट मीडिया
  - ❖ इलेक्ट्रानिक मीडिया
  - ❖ विज्ञापन मीडिया
  - ❖ फिल्म समीक्षा
  - ❖ पुस्तक समीक्षा

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) चतुर्थ सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : 8

**भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUDTT1

- **भाषा** : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।
- **भाषा विज्ञान** : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।
- **स्वनिम विज्ञान** : स्वन, परिभाषा, वागीन्द्रियाँ।
- **स्वनों का वर्गीकरण** : स्थान और प्रयत्न के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।
- **रूपिम विज्ञान** : शब्द और रूप (पद), पद विभाग - नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।
- **वाक्य विज्ञान** : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
- **अर्थ विज्ञान** - शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
- अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
- राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) चतुर्थ सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : 9

**हिंदी उपन्यास**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUDTT2

- **गबन** : प्रेमचंद
- **चित्रलेखा** : भगवतीचरण वर्मा
- **अपना मोर्चा** : काशीनाथ सिंह
- **स्वर्णमृग** : गिरिराज किशोर
- **महाभोज** : मन्नू भंडारी

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) चतुर्थ सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : 10

**हिंदी कहानी**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUDTT2

| | | |
|---|---|---|
| ❖ उसने कहा था | : | चंद्रधर शर्मा गुलेरी |
| ❖ पूस की रात | : | प्रेमचंद |
| ❖ आकाशदीप | : | जयशंकर प्रसाद |
| ❖ हार की जीत | : | सुदर्शन |
| ❖ रोज | : | अज्ञेय |
| ❖ आदिम रात्रि की महक | : | फणीश्वरनाथ 'रेणु' |
| ❖ मिस पाल | : | मोहन राकेश |
| ❖ परिन्दे | : | निर्मल वर्मा |
| ❖ दोपहर का भोजन | : | अमरकांत |
| ❖ बादलों के घेरे | : | कृष्णा सोबती |
| ❖ पिता | : | ज्ञानरंजन |
| ❖ वापसी | : | उषा प्रियंवदा |

**स्नातक हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : GE4

## GENERIC ELECTIVE

**सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र**

पाठ्यक्रम संख्या : HIUDTG1

❖ **रिपोर्ताज़** : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि।

❖ **फीचर लेखन** : विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।

❖ **साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता)** : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्व।

❖ **स्तंभ लेखन :** समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।

❖ दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से संबंधित लेखन।

❖ बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।

❖ आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।

**स्नातक हिंदी तृतीय सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : AEC4

# ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC4)

**हिंदी का बाजार और बाजार में हिंदी**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUDTA

- हिंदी सिनेमा
- सोशल मीडिया
- हिंदी के धारावाहिक
- विज्ञापन
- समाचार चैनल

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) चतुर्थ सेमेस्टर**

Internship **अधिन्यास कार्य**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUDE

- स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के विद्यार्थियों को सेमेस्टर अवकाश के दौरान तीनों कोर विषय के संबंधित अध्यापक अधिन्यास कार्य देंगे। प्रत्येक अधिन्यास कार्य दो-दो क्रेडिट का होगा।

- कुल क्रेडिट 6 = 2 X 3

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पंचम सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : 11

**हिंदी नाटक एवं एकांकी**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUETT1

**नाटक**

- ❖ अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चन्द्र
- ❖ स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद
- ❖ आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश
- ❖ माधवी : भीष्म साहनी

**एकांकी**

- o औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा
- o भोर का तारा : जगदीशचंद्र माथुर
- o अंजो दीदी : उपेन्द्रनाथ अश्क

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पंचम सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : 12

**हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUETT2

- **सरदार पूर्ण सिंह-** मजदूरी और प्रेम
- **रामचन्द्र शुक्ल -** करुणा
- **हजारी प्रसाद द्विवेदी –** देवदारु
- **विद्यानिवास मिश्र -** मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- **शिवपूजन सहाय -** महाकवि जयशंकर प्रसाद
- **रामवृक्ष बेनीपुरी -** रजिया
- **माखनलाल चतुर्वेदी -** तुम्हारी स्मृति

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पंचम सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : DSE1

## DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE

**लोक साहित्य**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUETD1

- लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।

- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।

- लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग-कथा, कथारूढ़ियाँ और अंधविश्वास।

- लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरें, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।

- लोकनृत्य एवं लोकसंगीत।

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पंचम सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : DSE2

## DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE

**राष्ट्रीय काव्यधारा**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUETD2

1. **मैथिलीशरण गुप्त** : भारत-भारती (अतीत खंड)

**संदर्भ : (भारत-भारती : मैथिलीशरण गुप्त)**

2. **माखनलाल चतुर्वेदी** : मेरी रसवंती

**संदर्भ : (माखनलाल चतुर्वेदी रचनावली : सं. श्रीकांत जोशी)**

3. **जयशंकर प्रसाद** : क. अरुण यह मधुमय देश हमारा...

ख. हिमाद्रि तुंग शृंग से..

**संदर्भ** : ('चन्द्रगुप्त' नाटक से)

4. **सुभद्रा कुमारी चौहान** : क. झाँसी की रानी

**संदर्भ : (हिंदी की श्रेष्ठ कविताएँ : सं. राजीव मणि)**

5. **रामधारी सिंह दिनकर** : क. मेरे नगपति! मेरे विशाल!

**संदर्भ : (रेणुका : रामधारी सिंह दिनकर)**

**स्नातक हिंदी पंचम सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : AEC5

# ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC5)

**हिंदी साहित्य : समय और समाज**

पाठ्यक्रम संख्या : HIUETA1

**हिन्दी साहित्य :** सामान्य परिचय

**कविता :**

- दुष्यंत कुमार : कहाँ तो तय था, गुलमोहर
- नीरज के गीत : अब तो मजहब कोई ऐसा भी चलाया जाए
- निराला : किनारा वो हमसे किये जा रहे हैं
- नागार्जुन : प्रेत का बयान

**कहानी :**

- स्वयं प्रकाश : बर्थडे
- प्रियंवद : खरगोश
- मन्नू भंडारी : यही सच है

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पंचम सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : 13

**हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUFTT1

❖ **साहित्यिक पत्रकारिता** : अर्थ, अवधारणा और महत्व।

❖ **भारतेन्दु युगीन साहित्यिक पत्रकारिता**: परिचय और प्रवृत्तियाँ।

❖ **द्विवेदी युगीन साहित्यिक पत्रकारिता** : परिचय और प्रवृत्तियाँ।

❖ **प्रेमचंद और छायावाद युगीन साहित्यिक**पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।

❖ **स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता** : परिचय और प्रवृत्तियाँ।

❖ **समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता** : परिचय और प्रवृत्तियाँ।

❖ साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।

❖ **महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ** : बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिंदुस्तान आज, स्वदेश प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पंचम सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : 14

**प्रयोजनमूलक हिंदी**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUFTT2

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।

- **हिन्दी की शैलियाँ** : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।

- **हिन्दी भाषा** : उद्भव और विकास।

- हिन्दी का मानकीकरण।

- **हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र** : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता-प्रकार और शैली।

- **प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार** : कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।

- **भाषा व्यवहार** : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा-लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र-लेखन।

- **हिन्दी में पारिभाषिक शब्द** : निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।

**स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पंचम सेमेस्टर**

प्रश्न पत्र : DSE3

## DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE

**छायावाद**

पाठ्यक्रम संख्या: HIUFTD1

❖ **जयशंकर प्रसाद**

1. आंसू (काव्य खंड के प्रथम 15 पद)

**सन्दर्भ : आंसू (खंडकाव्य)**

2. ले चल मुझे भुलावा देकर मेरे नाविक धीरे धीरे

**सन्दर्भ : (प्रतिनिधि कविताएँ : जयशंकर प्रसाद)**

❖ **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला**

1. तोड़ती पत्थर
2. बादल राग – 6
3. बांधो न नाव इस ठांव बंधु

**सन्दर्भ : (समस्त कविताएँ 'राग विराग' संग्रह से)**

❖ **सुमित्रानंदन पंत**

1. द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र
2. मौन निमंत्रण
3. मोह

**सन्दर्भ : (समस्त कविताएँ : 'तारापथ' संकलन से)**

❖ **महादेवी वर्मा**

1. जो तुम आ जाते एक बार
2. मधुर मधुर मेरे दीपक जल
3. पंकज कली

**सन्दर्भ : (समस्त कविताएँ 'प्रतिनिधि कविताएँ' महादेवी वर्मा से)**

**स्नातक हिंदी पंचम सेमेस्टर**

**साहित्य संवाद**

पाठ्यक्रम संख्या : HIUFS

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी साहित्यकारों और लोक कलाकारों से भेंटवार्ता के दौरान जीवन, समाज और सृजनशीलता से संबंधित सामयिक मुद्दों पर कम्से-कम दस प्रश्नों का एक साक्षात्कार प्रस्तुत करेंगे।

या

विद्यार्थी किसी एक विषय पर एकाधिक विशेषज्ञों के विचार प्रस्तुत करेगा।

**स्नातक हिंदी पंचम सेमेस्टर**

**Dissertation/Project**

**रिपोर्ताज**

पाठ्यक्रम संख्या : HIUFD

इस प्रश्न-पत्र में विद्यार्थी विगत सत्रों के किसी पाठ्यक्रम से अपनी रुचि के अनुसार किसी विषय पर एक सर्जनात्मक रपट तैयार कर प्रस्तुत करेंगे। संबंधित विषय पर छात्र को विभागीय शिक्षकों के बीच मौखिकी देनी होगी।

# स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)**

---

**हिंदी विभाग**
**(कला अध्ययनशाला)**

**सत्र : 2021-22 एवं क्रमशः हेतु**
**संचालित पाठ्यक्रम**
**स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के चयन आधारित स्तरीय प्रणाली**
**(Choice Based Credit System)**
**की सत्रीय व्यवस्था युक्त**

---

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)**
**हिंदी विभाग**
**(कला अध्ययनशाला)**

## अध्ययनमण्डल (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त

- दिनांक 20/10/2021 को हिन्दी विभाग में गूगल मीट पर ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई।
- बैठक में अध्ययनमण्डल समिति के समस्त सदस्यगण ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।
- बैठक में प्रस्तावित प्री पीएचडी पाठ्यक्रम पर चर्चा की गई और इसे यथारूप में लागू करने की अनुशंसा की गई।

**बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर**

| अध्ययमंडल के सदस्यगण | | | **हस्ताक्षर** |
|---|---|---|---|
| 01 | प्रो. देवेन्द्र नाथ सिंह - आचार्य,<br>विभागाध्यक्ष : हिंदी विभाग,<br>एवं अधिष्ठाता, कला अध्ययनशाला,<br>गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) | अध्यक्ष | |
| (2) | प्रो. खेम सिंह डहेरिया - प्राध्यापक,<br>हिंदी विभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (म.प्र.) एवं मा. कुलपति (अटलबिहारी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल) (मान. कुलपतिजी द्वारा नामित सदस्य) | सदस्य | |
| (3) | डॉ. गौरी त्रिपाठी - सह प्राध्यापक<br>हिंदी विभाग,गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग) | सदस्य | |
| (4) | डॉ. रमेश कुमार गोहे - सहायक प्राध्यापक<br>हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) | सदस्य | |
| (5) | श्री मुरली मनोहर सिंह- सहायक प्राध्यापक<br>हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) | सदस्य | |

## पाठ्यक्रम परिचय

आज के युग में, जबकि मनुष्य की तमाम भौतिक या आत्मिक उपलब्धियों का महत्व इस बात पर निर्भर करने लगा है कि बाजार में उसकी उपयोगिता क्या और कितनी है। बाजार आज एक सर्वजेता, सर्वनियंता कारक शक्ति बन बैठा है। वह अपनी जरूरतों के लिए जितना निरंकुश है, उतना ही निर्मम भी। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव हमारे पाठ्यक्रमों पर भी दिखाई देने लगा है। परम्परागत ढंग से पढ़े और पढ़ाये जा रहे मानविकी के तमाम विषय बाजार के इस मानदंड पर खरे नहीं उतर पाने के कारण एक-एक कर परिदृश्य से ओझल होते जा रहे हैं। हमेशा से साहित्य का सरोकार सिर्फ अपना वर्तमान ही नहीं रहा है, सुदूर इतिहास और भविष्य पर एक साथ टिकी साहित्य की दृष्टि मनुष्य की गरिमा का गान और उद्घोष करती आ रही है। मुक्तिबोध के शब्दों में कविता काल यात्री की तरह होती है। आगमिष्यति की गहन और गंभीर छाया लिए हुए वह जन चरित्री भी होती है।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ के हिंदी विभाग का यह पाठ्यक्रम साहित्य के इसी परिदृश्य से परिचित कराने का प्रयास है। यह जानते हुए कि पाठ्यक्रमों की एक सीमा होती है, विद्यार्थियों को अपने वर्तमान की चुनौतियों से भी रूबरू होना पड़ रहा है। हमने भरसक प्रयास किया है कि हिंदी के इस पाठ्यक्रम को वर्तमान सामाजिक सन्दर्भों से जोड़ते हुए इसके बाजार की नई-नई संभावनाओं को भी उद्घाटित किया जा सके। एक संस्कारित और सक्षम व्यक्तित्व के निर्माण में हिंदी साहित्य का महत्त्व वर्तमान के साथ-साथ नये भारत का भविष्य गढ़ने में भी समर्थ और संभावनाशील है।

आज अनिवार्य रूप से हिंदी बाजार की भाषा होती जा रही है, जबकि परम्परागत हिंदी का अपना बाजार नहीं के बराबर रह गया है। फिल्म, स्क्रिप्ट राइटिंग, पत्रकारिता, विज्ञापन आदि ढेर सारी चीजें आज के बाजार की अनिवार्य विवशताएं हैं। सूचना क्रांति के दौर में हिंदी व हिंदीतर साहित्य को कैसे पढ़ा जाए? इसे ध्यान में रखकर यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। मौलिक होना महत्वपूर्ण है, लेकिन उसकी सार्थकता अनुकरणीय होने में ही है। हमें विश्वास है, कि हिंदी साहित्य और उसके समानांतर हिंदीतर भारतीय साहित्यमें जो कुछ लिखा जा चुका है, उसका चयन और संयोजन अपनी तमाम सीमाओं के बावजूद इस पाठ्यक्रम में मौलिक भी है, और अनुकरणीय भी।

**अध्ययन पाठ्यक्रम**
**प्रथम सेमेस्टर**

| क्र. | प्रश्न पत्र का स्वरूप | पाठ्यक्रम का शीर्षक | अंक निर्धारण | क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|
| 1 | **Core** | भक्ति-काव्य<br>HIPATT1 | 100/40 (Grade: O/P) | (4+1) |
| 2 | **Core** | हिंदी निबंध<br>HIPATT2 | 100/40 (Grade: O/P) | (4+1) |
| 3 | **Core** | हिंदी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)<br>HIPATT3 | 100/40 (Grade: O/P) | (4+1) |
| 4 | **Core** | भारतीय भाषाओं की कहानियाँ<br>HIPATT4 | 100/40 (Grade: O/P) | (4+1) |
| 5 | **Open Elective** | हिंदी भाषा<br>HIPATO1 | 100/40 (Grade: O/P) | (4+1) |
| **टोटल क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम** | | | | **20** |
| **टोटल क्रेडिट वैकल्पिक पाठ्यक्रम** | | | | **25** |
| **प्रति सप्ताह कुल घंटे** | | | | **22** |

## द्वितीय सेमेस्टर

| क्र. | प्रश्न पत्र का स्वरूप | पाठ्यक्रम का शीर्षक | अंक निर्धारण | क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Core | कथा साहित्य (उपन्यास एवं नाटक) HIPBTT1 | 100/40 (Grade: O/P) | (4+1)= 05 |
| 2 | Core | रीतिकाव्य HIPBTT2 | 100/40 (Grade: O/P) | (4+1)= 05 |
| 3 | Soft Core Eelective Internal choice | 1. हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल HIPBTD1 अथवा 2. भाषा विज्ञान HIPBTD2 | 100/40 (Grade: O/P) | (4+1)= 05 |
| 4 | Open Eelective | आधार पाठ्यक्रम हिंदी भाषा HIPBTO1 | 100/40 (Grade: O/P) | (4+1)= 05 |
| टोटल क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम | | | | 10 |
| टोटल क्रेडिट वैकल्पिक पाठ्यक्रम | | | | 10 |
| प्रति सप्ताह कुल घंटे | | | | 20 |

## तृतीय सेमेस्टर

| क्र. | पत्र का स्वरूप | पाठ्यक्रम का शीर्षक | अंक निर्धारण | क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Core | आदिकालीन काव्य HIPCTT1 | 100/40 (Grade: O/P) | 4+1=5 |
| 2 | Core | आधुनिक काव्य HIPCTT2 | 100/40 (Grade: O/P) | 4+1=5 |
| 3 | Soft Core Elective Internal Choice | 1. आधुनिक विमर्श HIPCTD1 अथवा 2. प्रयोजनमूलक हिंदी HIPCTD2 | 100/40 (Grade: O/P) | 4+1=5 |
| 4 | Soft Core Elective Internal Choice | 1. जनसंचार माध्यम HIPCTD3 अथवा 2. हिंदी सिनेमा HIPCTD4 | 100/40 (Grade: O/P) | 4+1=5 |
| 5. Other if any | साहित्य वार्ता HIPCLS1 | | | 02 |
| टोटल क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम | | | | 20 |
| टोटल क्रेडिट वैकल्पिक पाठ्यक्रम | | | | 02 |
| प्रति सप्ताह कुल घंटे | | | | 22 |

## चतुर्थ सेमेस्टर

| क्र. | पत्र का स्वरूप | पाठ्यक्रम का शीर्षक | अंक निर्धारण | क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Core | छायावादोत्तर काव्य<br>HIPDTT1 | 100/40<br>(Grade: O/P) | 4+1=5 |
| 2 | Soft core elective<br>Internal choice | 1. काव्यशास्त्र<br>HIPDTD1 अथवा<br>2. लोक-साहित्य<br>HIPDTD2 | 100/40<br>(Grade: O/P) | 4+1=5 |
| 3 | Research methodology | शोध प्रविधि<br>HIPDTT2 | 100/40<br>(Grade: O/P) | 02 |
| 4. | Dissertation/Project<br>Followed by seminar 01 | HIPDLD1 | 100/40<br>(Grade: O/P) | 06 |
| टोटल क्रेडिट अनिवार्य पाठ्यक्रम | | | | 18 |
| टोटल क्रेडिट वैकल्पिक पाठ्यक्रम | | | | 00 |
| प्रति सप्ताह कुल घंटे | | | | 18 |

**स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर**

प्रथम प्रश्न-पत्र

**भक्ति-काव्य**

पाठ्यक्रम संख्या : HIPATT1

**भक्ति काव्य का अध्ययन मध्ययुगीन भारतीय समाज के भीतर प्रवाहित हो रही लोकजागरण की उस सामाजिक चेतना का अध्ययन है, जिसकी भित्ति पर आधुनिक भारत में जनतांत्रिक वैज्ञानिक चेतना का विकास हुआ है।**

**कबीर :**

- रहना नहिं देस बिराना है
- बहुरि नहिं आवना या देस
- बांगड़ देस लुवन का घर है
- साधो, देखो जग बौराना
- झीनी-झीनी बीनी चदरिया
- हमन हैं इश्क मस्ताना

**मलिक मोहम्मद जायसी :**

- पद्मावत (बारहमासा)

**मीरा :**

- नहिं सुख भावै, थारो देसलड़ो रंगरूड़ो
- सिसोदद्यो रूठयो तो म्हांरो काई करलेसी
- आज अनारी ले गयो सारी, बैठी कदम की डारी

**रसखान :**

- मानुष हौं तो वही रसखान
- सेष, गनेस, महेस, दिनेस, सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं
- ब्रह्म में ढूँढयो पुरानन-गानन

**सूरदास :**

- आयो घोष बड़ो व्यापारी
- निरखत अंक स्याम सुंदर के बारबार लावति छाती

- ऊधो, मन माने की बात
- मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै
- अति मलिन वृषभानु कुमारी

**तुलसीदास (कवितावली) :**

- धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूत कहौ, जोलहा कहौ कोऊ
- किसबी, किसान-कुल बनिक, भिखारी भाट
- खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि
- मेरे जाति-पाँति न चहौ काहू की जाति-पाँति
- जागैं जोगी-जंगम, जती-जमाती ध्यान धरैं

**हिंदीतर**:

- दिव्य प्रबंध : आलवार (अनुदित) : तिरुविरुत्तम

**सहायक ग्रंथ :**


1. 'कबीर' : (सं.) हजारीप्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. 'कबीर ग्रंथावली' : (सं.) श्यामसुंदर दास : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. 'दूसरी परम्परा की खोज' : नामवर सिंह : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य' : मैनेजर पाण्डेय : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. 'भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य' : शिवकुमार मिश्र : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. 'मीरा का काव्य' : विश्वनाथ त्रिपाठी : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. 'जायसी ग्रंथावली' : आ. रामचंद्र शुक्ल(सं.) : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. 'जायसी : विजयदेव नारायण साही' : हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
9. 'त्रिवेणी' : आ. रामचंद्र शुक्ल : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
10. 'लोकजागरण और हिंदी साहित्य' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. 'दिव्य प्रबंध' : (सं.) रामसिंह तोमर, विश्वभारती शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।

**स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर**

द्वितीय प्रश्न-पत्र

**हिंदी निबंध**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPATT2

**1857 में प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की अनुगूँज हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में लिखे गए निबंधों में और साहित्य की दूसरी विधाओं में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सुनाई देने लगा है । इसका अध्ययन मूलत: स्वतंत्रता संघर्ष के विकास का भी अध्ययन है।**

- **बालमुकुन्द गुप्त** :- शिवशम्भू के चिट्ठे
- **भारतेंदु हरिश्चंद्र** :- स्वर्ग लोक में विचार सभा का अधिवेशन
- **आचार्य रामचंद्र शुक्ल** :- मानस की धर्म भूमि
- **आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी** :- अशोक के फूल
- **रामविलास शर्मा** :- अट्ठावन : नारियल वाली गली
- **मुक्तिबोध** :- भक्ति आंदोलन : एक पहलू
- **नामवर सिंह** :- केवल जलती मशाल
- **विद्यानिवास मिश्र** :- शेफाली झर रही है

- **हिंदीत्तर :**

- **ज्योतिबा फुले** :- गुलामगिरी
- **श्यामा चरण दुबे** :- इतिहास-बोध
- **एम. एन. श्रीनिवास** :- संस्कृतीकरण

**सहायक ग्रंथ :**


1. निराला की साहित्य साधना : भाग -1 एवं 2 : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. चिंतामणि, भाग -1 : आ. रामचंद्र शुक्ल: लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. समीक्षा की समस्याएं : गजानन माधव मुक्तिबोध : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. गुलामगिरी : ज्योतिबा फुले : फारवर्ड प्रेस, नई दिल्ली।
7. समय और संस्कृति : श्यामा चरण दुबे : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन : एम. एन. श्रीनिवास : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

**स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर**

तृतीय प्रश्न-पत्र

**हिंदी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPATT3

**किसी भी तरह के अनुशासन के व्यवस्थित अध्ययन के लिए उसके इतिहास का अध्ययन बेहद आवश्यक है। हिन्दी साहित्य के इतिहास से हमें समाज और साहित्य की संक्रमणकालीन दशा और उसके विकास की दिशा को समझने में मदद मिलेगी।**

**प्रथम इकाई**

हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्यिक परंपराएं- सिद्ध, नाथ एवं जैन, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली (**वंशी माधुरी**: i. नंदक नंदन, ii. सुन रसिया, **रूप वर्णन** : iii. सैसव जोवन, iv. खने-खने नयन, **विरह वर्णन** : v. मधुपुर मोहन गेल, vi. अंकुर तपन ताप)।

**द्वितीय इकाई**

भक्ति आंदोलन : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, भक्ति आंदोलन और हिंदी प्रदेश।

**तृतीय इकाई**

भक्ति काल की सामान्य विशेषताएं, प्रमुख निर्गुण संत कवि, प्रमुख सगुण भक्त कवि, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्य धारा की सामान्य विशेषताएं।

**चतुर्थ इकाई**

रीतिकाल की ऐतिहासिक, सामाजिक पृष्ठभूमि, प्रमुख रीति कवि, रीति काव्य की सामान्य विशेषताएं।

**सहायक ग्रंथ :**


1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल: लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य : मैनेजर पाण्डेय : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कबीर : (सं.) हजारीप्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. त्रिवेणी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल: नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. साहित्यिक निबंध : गणपतिचन्द्र गुप्त : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. विद्यापति : डॉ. शिवप्रसाद सिंह: लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

**स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर**

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

**भारतीय भाषाओं की कहानियाँ**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPATT4

**साहित्य में यथार्थवाद के विकास की विभिन्न मंजिलों को समझने के लिए हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के कथा साहित्य का अध्ययन उस सामाजिक यथार्थ का अध्ययन है जिसको आधार बनाकर स्वतंत्रता पूर्व औपनिवेशिक भारत के स्वरूप और स्वातंत्र्योत्तर भारत में अनौपनिवेशीकरण की प्रक्रिया का समाजशास्त्रीय अध्ययन सम्भव है।**

- **बांग्ला** : ताराशंकर बंधोपाध्याय : अभागों का स्वर
- **असमी** : इंदिरा गोस्वामी : पुत्र कामना
- **उर्दू** : मंटो : टोबा टेक सिंह
- **कन्नड़** : यू. आर. अनंतमूर्ति : माँ
- **उड़िया** : लक्ष्मीकांत महापात्रा : बूढ़ा मनिहार
- **मराठी** : शंकर पाटील : रोटी का स्वाद
- **हिंदी** : प्रेमचंद : मुक्ति मार्ग
  : हरिशंकर परसाई : भोलाराम का जीव
- **पंजाबी** : करतार सिंह दुग्गल : अपरिचित परिचित चेहरा
- **तमिल** : आर. चूड़ामणि : डॉक्टरनी का कमरा
- **मलयालम** : तकषी शिवशंकर पिल्लै : तहसीलदार के पिता

**सहायक ग्रंथ :**


1. भारतीय श्रेष्ठ कहानियाँ, भाग : 1 एवं 2 : (सं.) सन्हैयालाल ओझा : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. विवेक के रंग : देवीशंकर अवस्थी : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. एक दुनिया : समानांतर : राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश : लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. हिंदी कहानी का समकाल : अंकित नरवाल : आधार प्रकाशन पंचकूला।
8. कहानी : विचारधारा और यथार्थ : वैभव सिंह : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. नई सदी का पंचतंत्र : उदय प्रकाश : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

**स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर**

वैकल्पिक /स्वाध्याय पाठ्यक्रम/कौशल विकास

OPEN Elective

**प्रश्न पत्र : हिंदी भाषा**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPATL1

**आधार पाठ्यक्रम के रूप में तैयार किये गए इस प्रश्नपत्र के माध्यम से हम विद्यार्थियों में हिंदी के सर्जनात्मक साहित्य के साथ-साथ उसके कलारूपों की सामान्य समझ विकसित कर सकेंगे।**

- रस, अलंकार, शब्द शक्ति
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्व, सम्प्रेषण तकनीक

**साहित्य की विधाएँ**

**कहानियां** :

I. पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद

II. उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी

**कविताएँ** :

I. जौहर (आरंभिक अंश-वंदना) : श्याम नारायण पाण्डेय

II. कामायनी (चिंता सर्ग) : जयशंकर प्रसाद

**सहायक ग्रंथ :**


1. सामान्य हिंदी : ओमकारनाथ शर्मा : अरिहंत प्रकाशन
2. कामायनी : जयशंकर प्रसाद : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. एक दुनिया : समानांतर : राजेन्द्र यादव : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. नयी कविता : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां : नामवर सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।

**स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर**

प्रथम प्रश्न-पत्र

**कथा साहित्य (उपन्यास एवं नाटक)**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPBTT1

**आधुनिक भारत के सौ सालों की सामाजिक, राजनीतिक स्थितियों-परिस्थितियों, समाज की छोटी इकाई के रूप में परिवारों की संरचना में आ रहे बदलावों, उसके यथार्थ का अध्ययन करने के लिए इस प्रश्न पत्र का विशेष महत्त्व है।**

- **भारतेंदु हरिश्चंद्र** : अंधेर नगरी
- **जयशंकर प्रसाद** : ध्रुवस्वामिनी
- **धर्मवीर भारती** : अंधा युग
- **मोहन राकेश** : आधे अधूरे
- **हबीब तनवीर** : चरणदास चोर
- **शंकर शेष** : एक और द्रोणाचार्य
- **प्रेमचंद** : गोदान
- **फणीश्वरनाथ रेणु** : मैला आंचल
- **भीष्म साहनी** : तमस

**सहायक ग्रंथ :**


1. 'रंगमंच की कहानी' : देवेन्द्र राज अंकुर: वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. 'आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच' : नेमिचन्द जैन : मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. 'रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र' : देवेन्द्र राज अंकुर : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'हिंदी नाटक के सौ बरस' : अजित पुष्कल : शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
5. 'हिंदी नाटकों का आत्मसंघर्ष' : गिरीश रस्तोगी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. 'उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता' : वीरेंद्र यादव : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. 'परम्परा का मूल्यांकन' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. 'हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा' : रामदरश मिश्र : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. 'उपन्यास की भारतीयता और हिंदी आलोचना' : शम्भुनाथ मिश्र : ज्ञान भारती प्रकाशन, दिल्ली।

**स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर**

द्वितीय प्रश्न-पत्र

**रीतिकाव्य**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPBTT2

**उत्तर मध्ययुग की इस प्रमुख काव्यधारा का अध्ययन इस दृष्टि से अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है यहां समाज के उच्चवर्ग की क्षयिष्णु और कुलीन अभिरुचियों के समानांतर उस जनकाव्य की धारा का स्रोत मिलना शुरू हो गया था, कालांतर में जिसका विकास आधुनिक युग के साहित्य की अलग-अलग विधाओं में एक साथ हो रहा था।**

**बिहारी**

- ❖ छुटी न सिसुता की झलक
- ❖ कुटिल अलक छुटि परत
- ❖ निसि अंधियारी नील पर
- ❖ बतरस लालच लाल की
- ❖ कहत नटत रीझत खिझत
- ❖ पत्रा ही तिथि पाइए
- ❖ इत आवति चलि जात
- ❖ छकि रसाल सौरभ सने
- ❖ सघन कुंज छाया सुखद
- ❖ चुवत स्वेद मकरंद कन
- ❖ पट पांखै भखु

**देव**

- ❖ धार में धाई धँसी
- ❖ लोग लुगाइन होरी लगाई
- ❖ सांझ ही स्याम को लैन गई
- ❖ माखन सो मन दूध सो जोवन है
- ❖ आइहौं देखि बधू इक देव सो

**आलम**

- ❖ जा थल कीन्हें विहार अनेकन
- ❖ सित रितु  भीत भई
- ❖ लता प्रसून डोल बोल कोकिला अलाप केकि
- ❖ आइ सीरी साँझ भीर गैयाँ दौरी आई घर

**घनानंद**

- ❖ पहिले अपनाय सुजान सनेह सों
- ❖ रावरे रूप की रीति अनूप
- ❖ अति सूधो सनेह को मारगु हैं
- ❖ हीन भय जल मीन अधीन
- ❖ चंद चकोर की चाह करै

**केशव**

- ❖ रामचंद्रिका : पंचवटी (वन वर्णन)

**नजीर अकबराबादी**

- ❖ श्री कृष्ण का बालपन
- ❖ आदमीनामा
    - ➢ दुनिया में बादशाह है सो है वह आदमी
    - ➢ यां आदमी ही नार है और आदमी ही नूर
    - ➢ मस्जिद भी आदमी ने बनाई है
    - ➢ बैठे हैं आदमी ही दुकानें लगा लगा
    - ➢ मरने पै आदमी ही कफ़न करते हैं तैयार

**सहायक ग्रंथ :**


1. 'रीतिकाव्य की भूमिका' : डॉ. नगेन्द्र : नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली।
2. 'हिंदी साहित्य का इतिहास' : आचार्य रामचंद्र शुक्ल: लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. 'हिंदी साहित्य का अतीत', भाग – 1 एवं 2 : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास' : बच्चन सिंह : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. 'नजीर अकबराबादी और उनकी शायरी' : प्रकाश पंडित : राजपाल एंड संस, दिल्ली।
6. 'दीवान –ए –मीर' : सं. अली सरदार जाफ़री : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. 'उर्दू आलोचना के शिखर पुरुष' : शम्सुर्रहमान फारूकी : भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
8. 'उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' : सैय्यद एहतेशाम हुसैन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. 'बिहारी का नया मूल्याँकन' : डॉ. बच्चन सिंह : हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।

**स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर**

तृतीय प्रश्न-पत्र (वैकल्पिक)

**हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPBTD1

**हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का इतिहास वास्तव में आधुनिक भारत के इतिहास का भी अध्ययन है। प्रथम स्वाधीनता संघर्ष से लेकर आजादी और फिर उसके बाद के राजनीतिक उतार चढ़ाव की समग्र सामाजिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि का ब्यौरेवार अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।**

**प्रथम इकाई**

आधुनिकता की अवधारणा, हिंदी गद्य एवं आधुनिकता का अंतर्संबंध, हिंदी-उर्दू विवाद, खड़ी बोली के विकास की पृष्ठभूमि।

**द्वितीय इकाई**

नवजागरण की संकल्पना और हिंदी नवजागरण, हिंदी पत्रकारिता की विकास यात्रा, हिंदी की जातीय चेतना के विकास में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका।

**तृतीय इकाई**

भारतेंदु मंडल, भारतेंदु युगीन प्रमुख पत्र पत्रिकाएं, भारतेंदु युगीन साहित्यिक प्रवृत्तियां एवं विभिन्न गद्य विधाओं का उदय और विकास, द्विवेदी युग : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक परिस्थितियां, हिंदी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।

**चतुर्थ इकाई**

प्रेमचंद युग, छायावाद, प्रसाद युग, प्रगतिशील साहित्य की प्रवृतियां, समकालीन साहित्य।

**सहायक ग्रंथ :**


1. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी
2. भारतेंदु युग और हिंदी गद्य की विकास परंपरा : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी पत्रकारिता : कृष्ण बिहारी मिश्र : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय हिंदू एवं द्विवेदी युगीन भाषा चिंतन और पंडित गोविंद नारायण मिश्र: डॉ. जया सिंह: जयभारती प्रकाशन, लखनऊ
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां : नामवर सिंह : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

7. हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली' : अमरनाथ : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

**स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर**

तृतीय प्रश्न-पत्र (वैकल्पिक)

**भाषा विज्ञान**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPBTD2

**भाषा एक सामाजिक और अर्जित संपत्ति है। भाषा के विकास में सामाजिक विकास एक मुख्य कारक होता है। ध्वनि परिवर्तन, अर्थ परिवर्तन आदि भाषा के नाना रूपों में होने वाले परिवर्तनों के मूल में सामाजिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक कारण होते हैं। बोलियों के सामाजिक साहित्यिक योगदान में राजनीति आदि की भूमिका उसके स्वरूप का व्यापक अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।**

**प्रथम इकाई**

भाषा की परिभाषा, तत्व, अंग और विशेषताएं, भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास

**द्वितीय इकाई**

स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, सस्वन, स्वनिम, स्वन भेद, मानस्वर, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप, संबंध तत्व और अर्थ तत्व, रूप, संरूप, रूपिमों का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण

**तृतीय इकाई**

वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप, वाक्य रचना, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

**चतुर्थ इकाई**

हिंदी की बोलियाँ : वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि: वैज्ञानिकता और विकास, देवनागरी लिपि का मानकीकरण, राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति

**सहायक ग्रंथ :**


1. 'हिंदी भाषा' : हरदेव बाहरी : अभिव्यक्ति पब्लिकेशन, जोधपुर।
2. 'भाषा विज्ञान' : भोलानाथ तिवारी : किताब महल, इलाहाबाद।
3. 'भाषा विज्ञान की भूमिका' : देवेंद्र नाथ शर्मा : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. 'हिंदी शब्द अनुशासन' : किशोरी दास वाजपेई : नगरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
5. 'भारत की भाषा समस्या' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. 'हिंदी व्याकरण' : कामता प्रसाद गुरु : पराग प्रकाशन, दिल्ली।

**स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर**

## Open Elective

**हिंदी भाषा**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPBTO1

**हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षाप्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, लिपि और उसकी संवैधानिक स्थिति आदि के साथ-साथ उसके साहित्य से उनका सामान्य परिचय जरूर हो। इसे ही ध्यान में रखकर यह आधार पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।**

- हिंदी की व्युत्पत्ति, भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिंदी भाषा की विशेषताएं
- हिंदी की बोलियाँ, वर्गीकरण क्षेत्र
- देवनागरी लिपी का विकास और मानकीकरण
- राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति

**साहित्य खंड :**

**कहानियां** :

- भोलाराम का जीव : हरिशंकर परसाई
- टोबा टेकसिंह : मंटो

**उपन्यास** :

- रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल

**कविताएँ** :

- सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र
- भागी हुई लड़कियां : आलोकधन्वा

**सहायक ग्रंथ** :


1. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना : वासुदेव नंदन प्रसाद: भारती भवन प्रकाशन।
2. सामान्य हिंदी एवं संक्षिप्त व्याकरण : ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह : यूनिकॉर्न बुक्स नई दिल्ली।
3. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. एक दुनिया : समानांतर : राजेन्द्र यादव : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. 'नयी कविता : एक साक्ष्य' : रामस्वरूप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
6. 'कहानी : नयी कहानी' : नामवर सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
7. 'भाषा और समाज' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. 'शब्दानुशासन' : किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

**स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर**

प्रथम प्रश्न-पत्र

**आदिकालीन काव्य**

पाठ्यक्रम संख्या : HIPCTT1

**हिन्दी भाषा के पूर्ववर्ती रूप अपभ्रंश , जिसके लिखित रूप से ही हिन्दी साहित्य का व्यवस्थित इतिहास शुरू होता है, का अध्ययन हिन्दी साहित्य के विकास की दिशा और विभिन्न कालावधियों में उसकी प्रवृत्तियों का अध्ययन, उसके सामाजिक संदर्भों को जानने के लिए आवश्यक है।**

- **सरहपा** : दोहा कोश (5 दोहे)
  1. जाव ण आप जणिज्जइ..., 2. जहि मण पवण ण संचरइ..., 3. आइ ण अंत ण मज्झ णउ..., 4.विसअ विसुद्धे णउ रमइ..., 5. अक्खर बाढ़ा सअल जगु... ।
- **अद्दहमाण** : सन्देश रासक (द्वितीय प्रक्रम:)
- **चंदबरदाई** : पृथ्वीराज रासो (कयमास वध)
- **विद्यापति** : पदावली (सं. शिवप्रसाद सिंह)
  **रूप वर्णन-** 10,11, 12, 13, 16. **विरह –** 54, 56 .
- **अमीर खुसरो** : 1. खुसरो रैन सुहाग की ..., 2. खुसरो दरिया प्रेम का..., 3. खीर पकायी जतन से..., 4. गोरी सोवे सेज पर..., 5. खुसरो मौला के रुठते
  **गीत –** जेहाल मिस्कीं, काँहें को ब्याहे बिदेस, खुसरो रैन सुहाग की ।

**सहायक ग्रंथ :**


1. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग : नामवर सिंह : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सन्देश रासक : हजारी प्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. विद्यापति पदावली : (सं.) शिवप्रसाद सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल: प्रभात प्रकाशन, म.प्र.।
5. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह : राधा कृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
8. पृथ्वीराज रासो : सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी नामवर सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
9. अमीर खुसरो : परमानंद पांचाल भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन दिल्ली।

**स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर**

द्वितीय प्रश्न-पत्र

**आधुनिक काव्य**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPCTT2

**20वीं सदी में भारतीय समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में मध्यवर्ग की प्रभावी भूमिका बनने लगी थी। समाज को देखने का उसका यथार्थवादी दृष्टिकोण, नैतिकता, आदर्शपरक जीवन-मूल्य, कल्पनाशीलता, वैचारिक आग्रह आदि इस युग की आधुनिक काव्य में नाना शिल्प विधान के साथ मूर्तमान हो उठे थे। इस प्रश्न पत्र का अध्ययन बीसवीं सदी के ऐतिहासिक, सामाजिक और राजनीतिक हलचलों का एक साथ अध्ययन होगा।**

- ❖ **मुकुटधर पांडेय** : ग्राम्य जीवन
- ❖ **मैथिलीशरण गुप्त** : पंचवटी वर्णन (चारु चंद्र की चंचल किरणें)
- ❖ **जयशंकर प्रसाद** : इड़ा (सर्ग)
- ❖ **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला**: सरोज स्मृति
- ❖ **सुमित्रानंदन पंत** : नौका विहार
- ❖ **महादेवी वर्मा** : मैं नीर भरी दुख की बदली, पंथ होने दो अपरिचित
- ❖ **रामधारी सिंह दिनकर** : कुरुक्षेत्र (पहला सर्ग)
- ❖ **माखनलाल चतुर्वेदी** : अमर राष्ट्र
- ❖ **भवानी प्रसाद मिश्र** : सतपुड़ा के घने जंगल
- ❖ **रवींद्रनाथ टैगोर** : अहल्या के प्रति (हिंदीत्तर काव्य)

**सहायक ग्रंथ :**


1. 'छायावाद' : नामवर सिंह : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. 'आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां' : नामवर सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
3. 'कविता के नए प्रतिमान' : नामवर सिंह : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. 'कविता समय' : डॉ. गौरी त्रिपाठी : उत्कर्ष प्रकाशन, कानपुर।
5. 'नयी कविता और अस्तित्ववाद' : रामविलास शर्मा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. 'कविता का जनपद' : अशोक वाजपेयी : राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली।

7. 'नयी कविता : एक साक्ष्य' : रामस्वरूप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
8. 'समकालीन कविता का व्याकरण' : परमानंद श्रीवास्तव : शुभदा प्रकाशन, दिल्ली।
9. 'कामायनी : एक पुनर्विचार' : मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

**स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर**

तृतीय प्रश्न-पत्र (वैकल्पिक)

**आधुनिक विमर्श**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPCTD1

बीसवीं सदी के अंतिम दशक से विश्व स्तर पर शीतयुद्ध की समाप्ति, भूमंडलीकरण और बाजारवाद के वर्चस्व की वजह से साहित्य और समाज में उत्तर आधुनिक युग का प्रारंभ हुआ। साहित्य में सबाल्टर्न डिस्कोर्स की पृष्ठभूमि बननी शुरू हुई। जो अबतक हाशिये पर थे वे केंद्र बनने लगे। दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श आदि की वैचारिकी उसकी परंपरा आदि का अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।

**प्रथम इकाई**

- **दलित विमर्श** : सामाजिक पृष्ठभूमि, वैचारिकी के प्रश्न, दलित अस्मिता
- **स्त्री विमर्श** : सामाजिक पृष्ठभूमि, अवधारणा एवं स्त्री मुक्ति संबंधी चिंतन जॉन स्टुअर्ट मिल, सीमोन द बोउवार, महादेवी वर्मा

**द्वितीय इकाई**

आदिवासी विमर्श : पृष्ठभूमि, अवधारणा, आदिवासी लेखन एवं वैचारिकी के आयाम, प्रमुख आदिवासी विमर्शकार

**तृतीय इकाई**

**कहानी** :

ठाकुर का कुआं : प्रेमचंद

गोमा हँसती है : मैत्रेयी पुष्पा

**उपन्यास** :

आधा शहर : उषा प्रियंवदा

**चतुर्थ इकाई**

**आत्मकथा** :

अन्या से अनन्या : प्रभा खेतान

जूठन : ओमप्रकाश वाल्मिकी

**निबंध** :

शृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा

**सहायक ग्रंथ** :


1. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मिकि : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. जाति व्यवस्था : सच्चिदानंद सिन्हा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4. नारी प्रश्न : सरला महेश्वरी : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. स्त्री विमर्श भारतीय परिप्रेक्ष्य : डॉ.के.एम.मालती : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. बाजार के बीच : बाजार के खिलाप : प्रभा खेतान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. आधुनिकता के आईने में दलित : सं. अभय कुमार दुबे : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. सामाजिक न्याय और दलित साहित्य : सं. श्योराज सिंह बैचेन : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

**स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर**

तृतीय प्रश्नपत्र : (वैकल्पिक)

**प्रयोजनमूलक हिंदी**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPCTD2

**सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली शब्दावलियां परंपरागत हिंदी के व्यवहार में नहीं रही हैं इसके अलावा आज हिन्दी अनिवार्य रूप से बाजार तथा संचार माध्यमों की भाषा बनती जा रही है। इन सारी चुनौतियों को देखते हुए नये विभिन्न भाषाओं के प्रचलित शब्दभंडार को हिंदी भाषा के व्यवहार में अपनाते हुए उनका मानकीकरण इस पाठ्यक्रम की विशेषता है।**

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिन्दी, संपर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, बोलचाल की सामान्य हिन्दी, मानक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी, संविधान में हिन्दी।
- हिंदी की शैलियाँ: हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास।
- हिन्दी का मानकीकरण।
- पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप एवं महत्त्व, पारिभाषिक शब्दावली के उदाहरण और व्यावहारिक प्रयोग।
- हिन्दी का प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता-प्रकार और शैली।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार: कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।
- भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार टिप्पणी तथा मसौदा-लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र-लेखन।
- हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।

**सहायक ग्रंथ:**


1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : लक्ष्मीकान्त पाण्डेय, प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपुर।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, अलका प्रकाशन, कानपुर।
4. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार: डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन,नई दिल्ली।
5. मीडिया लेखन और सम्पादन कला : डॉ. गोविन्द प्रसाद,अनुपम पाण्डेय, डिस्कवरी पब्लिशिंग हॉउस, नई दिल्ली।
6. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी : डॉ. चन्द्रकुमार, बी.के. तनेजा क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

**स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर**

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (वैकल्पिक)

**जनसंचार माध्यम**

पाठ्यक्रम संख्या : HIPCTD3

**आधुनिक युग सूचनाक्रान्ति तथा संचार प्रौद्योगिकी के रूप में जाना जा रहा है। हिंदी पत्रकारिता का इतिहास स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका, आज उसका स्वरूप उसकी चुनौतियां तथा आज के युग में उसकी भूमिका का अध्ययन इस पाठ्यक्रम के माध्यम से संभव हो सकेगा। यह पाठ्यक्रम वैकल्पिक विषय के रूप में मीडिया के नाना रूपों में हिंदी की संभावना के मद्देनजर तैयार किया गया है।**

- ❖ भारत में संचार माध्यमों का विकास : प्रिंट, रेडियो, टी.वी., इंटरनेट
- ❖ हिंदी पत्रकारिता का इतिहास और वर्तमान
- ❖ साहित्यिक पत्रकारिता : उद्भव और विकास :- सरस्वती, विशाल भारत, हंस, माधुरी, कल्पना, ज्ञानोदय, कथादेश, पहल, तद्भव।
- ❖ संपादन के आधारभूत तत्व
- ❖ समाचार लेखन, विज्ञापन लेखन, पुस्तक समीक्षा लेखन, साक्षात्कार
- ❖ प्रिंट मीडिया का बदलता स्वरूप
- ❖ पत्रकारिता का प्रतिपक्ष, सोशल मीडिया : दशा और दिशा
- ❖ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

**सहायक ग्रंथ :**


1. हिंदी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र : प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमण्ड विलियम्स : ग्रंथ शिल्पी, (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली।
3. साक्षात्कार : सिद्धांत और व्यवहार : रामशरण जोशी : हिंदी बुक सेंटर, हैदराबाद।
4. संस्कृति विकास और संचार क्रांति: पी.सी.जोशी : ग्रन्थ शिल्पी, नई दिल्ली।

**स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर**

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (वैकल्पिक)

**नाटक और हिंदी सिनेमा**

पाठ्यक्रम संख्या : HIPCTD4

**नाटक साहित्य तथा कला का आदि और अधुनातन स्वरूप है। सिनेमा के रूप में आज इसका बहुत बड़ा बाजार भी है। हिंदी साहित्य की बहुत बड़ी व्यावसायिक संभावना के रूप में स्क्रिप्ट राइटिंग का एक क्षेत्र इस माध्यम से उद्घाटित हो रहा है। इन सबके दृष्टिगत यह प्रश्नपत्र तैयार किया गया है।**

- पारसी थियेटर से आधुनिक रंगमंच की विकास यात्रा
- एन.एस.डी. (राष्ट्रीय नाटी विद्यालय) की भूमिका, नुक्कड़ नाटक
- हिंदी सिनेमा का इतिहास
- सिनेमा का बाजार और बाजार में सिनेमा
- सिनेमा और समाज - स्त्री पक्ष, दलित पक्ष, आदिवासी पक्ष
- समानांतर सिनेमा की अवधारणा, लघु वृत्तचित्र
- सिनेमा का बदलता स्वरूप : वस्तु और विन्यास
- पटकथा लेखन, संवाद संयोजन, सिनेमा समीक्षा
- स्थानीय लोककलाओं पर आधारित संक्षिप्त वृत्तचित्र प्रस्तुति (विद्यार्थियों द्वारा)
- साहित्य की विविध विधाओं की कार्यशाला
- फिल्म समीक्षा - खरगोश, रजनीगंधा, मोहल्ला अस्सी

**सहायक ग्रंथ :**


1. भारतीय सिनेमा का इतिहास : अनिल भार्गव : सिने साहित्य प्रकाशन,जयपुर।
2. हिंदी सिनेमा आदि से अनंत: प्रह्लाद अग्रवाल : साहित्य भंडार, इलाहाबाद।
3. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कथा-पटकथा : मन्नू भंडारी : वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रजा : वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिनेमा समय : विष्णु खरे : अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली।

**स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर**

प्रथम प्रश्न-पत्र

**छायावादोत्तर काव्य**

पाठ्यक्रम संख्या : HIPDTT1

**छायावादोत्तर युग मूलतः काव्यकला और जीवन संवेदना के रूपों में होने वाले आमूल चूल परिवर्तन के साथ विकसित हुआ है। इस प्रश्नपत्र का अध्ययन आधुनिक सामाजिक संदर्भों और मानव मनोविज्ञान को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।**

- ❖ **नागार्जुन** : हरिजन गाथा
- ❖ **मुक्तिबोध** : भूल-गलती
- ❖ **अज्ञेय** : असाध्य वीणा
- ❖ **दुष्यंत कुमार** : कहाँ तो तय था चरागाँ, ये सारा जिस्म झुक कर बोझ से
- ❖ **धूमिल** : पटकथा
- ❖ **आलोकधन्वा** : ब्रूनो की बेटियाँ
- ❖ **श्रीकांत वर्मा** : वापसी, तीसरा रास्ता, मगध, हस्तक्षेप

**सहायक ग्रंथ :**


1. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोध : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. एक कवि की नोट बुक : राजेश जोशी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तारसप्तक, दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक, चौथा सप्तक : (सं.) अज्ञेय : भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।
4. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. भवन्ति : अज्ञेय : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. कविता और समय : अरुण कमल : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. समकालीन कविता का व्याकरण : परमानंद श्रीवास्तव : शुभदा प्रकाशन, दिल्ली।
8. कविता का जनपद : अशोक वाजपेयी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

**स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर**

द्वितीय प्रश्न-पत्र (वैकल्पिक)

**काव्यशास्त्र**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPDTD1

**पाश्चात्य और भारतीय आचार्य कला का मूल्यांकन किन आधारों पर कैसे किया करते थे? उन मूलभूत आधारों में दृष्टिगत भिन्नता और समानता के तत्वों का अध्ययन इस प्रश्नपत्र की मूल अंतर्वस्तु है।**

**भारतीय काव्यशास्त्र**

**प्रथम इकाई**

काव्य लक्षण : भामह, मम्मट, विश्वनाथ और पं० जगन्नाथ
काव्य हेतु : प्रतिभा, व्युत्पत्ति और अभ्यास
काव्य प्रयोजन : भारत, भामह, वामन, रुद्रट, कुंतक, मम्मट

**द्वितीय इकाई**

रस, ध्वनि, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, औचित्य सिद्धांत का सामान्य परिचय

**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**

**तृतीय इकाई**

प्लेटो : अनुकरण सिद्धांत
अरस्तू : अनुकरण एवं विरेचन
लौंजाइनस : काव्य में उदात्त की अवधारणा

**चतुर्थ इकाई**

आई०ए० रिचर्ड्स: मूल्य सिद्धांत
बेनेदितो क्रोचे : अभिव्यंजनावाद
टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता

**सहायक ग्रंथ:**


1. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ० नगेंद्र : नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली।
2. संस्कृत काव्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय : उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
3. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी।
4. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन : निर्मला जैन : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेंद्रनाथ शर्मा : मयूर बुक्स, इंदौर।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धांत और वाद : सूर्य प्रसाद दीक्षित : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

**स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर**

द्वितीय प्रश्न-पत्र (वैकल्पिक )

**लोक-साहित्य**

पाठ्यक्रम संख्या: HIPDTD2

**लोक जीवन की मौखिक परंपरा में समष्टि की सृजनशीलता के परिणामस्वरूप लोक साहित्य का समृद्ध स्रोत है। किसी भी अंचल के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के अध्ययन में ये प्रामाणिक स्रोत तो होते ही हैं, इनमें आधुनिक कला रूपों को विकसित और समृद्ध करने की बड़ी संभावना है।**

**प्रथम इकाई**

लोक साहित्य की अवधारणा, लोक साहित्य की मनोवैज्ञानिक एवं समाजशास्त्रीय व्याख्या, लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मानक भाषा की प्रकृति।

**द्वितीय इकाई**

हिन्दी में लोक साहित्य का इतिहास, मिथक और लोक साहित्य, लोक साहित्य के विविध रूप : लोकगीत, देवीगीत, जन्म एवं मृत्यु संबंधी गीत, विवाह गीत, ऋतुगीत, श्रम गीत।

**तृतीय इकाई**

लोक नाट्य परम्परा, लोकनाटकों के विविध रूप **(क) श्रव्य :** लोकगाथा, लोक आख्यान, पंडवानी, आल्हा, चंदैनी **(ख) दृश्य :** रामलीला, रासलीला, नौटंकी, लावनी, प्रहसन, बिदेसिया, नाचा, खयाल, बारहमासा।

**चतुर्थ इकाई**

- बिदेसिया : भिखारी ठाकुर
- चरनदास चोर : हबीब तनवीर

- आधारभूत संरचना उपलब्ध होने की स्थिति में प्रस्तुत पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक (प्रदर्शन) दोनों माध्यम से अध्ययन कराया जायेगा।

**सहायक ग्रंथ :**


1. लोकसाहित्य की भूमिका : धीरेन्द्र वर्मा : हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
2. लोक साहित्य के प्रतिमान : डॉ. कुंदनलाल उप्रेती : भारत प्रकाशन मंदिर, लखनऊ
3. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा : मनोहर शर्मा : ई-बुक बुक्स सीन हिंदी
4. लोक साहित्य विज्ञान : डॉ. सतेन्द्र : शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी, आगरा
5. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार : राजकमल प्रकाशन हिंदी, दिल्ली

**स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर**

तृतीय प्रश्न पत्र

**शोध प्रविधि**

पाठ्यक्रम संख्या : HIPDTT2

**किसी भी तरह के शोध परक आलेख, लघु शोध प्रबंध हेतु शोध प्रविधियों और उनकी सैद्धांतिक प्रक्रियाओं से अवगत होने के लिए यह प्रश्नपत्र आवश्यक है।**

- शोध व्युत्पत्ति और अर्थ, आलोचना, अनुसंधान अन्वेषण एवं शोध का अंतर।
- शोध का प्रयोजन, शोध के मूल तत्व, शोध और सृजनात्मकता।
- शोध के प्रकार : साहित्यिक शोध, पाठ संबंधित शोध, वैज्ञानिक शोध, तुलनात्मक शोध, ऐतिहासिक शोध।
- शोध की प्रक्रिया - विषय चयन, विषय की रूपरेखा, सामग्री संकलन, तथ्य संकलन।
- शोध का व्यावहारिक पक्ष : अध्ययन क्षेत्र की सीमा, शोध प्रस्ताव, इंडेक्स कार्ड प्रणाली, आधारभूत सामग्री और संदर्भ ग्रंथ सूची, सामग्री संकलन की प्रक्रिया।
- पाठनुसंधान : आशय, स्वरूप और सीमा, पाठ निर्धारण एवं प्रक्रिया।
- सामग्री संकलन के स्रोत - खोज, रिपोर्ट, कैटलॉग पुस्तकें, संस्थान, पाठनुसंधान और पाठालोचन में अंतर, पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत।
- संक्षिप्त परिचय- भाषानुसंधान एवं तुलनात्मक अनुसंधान।

**सहायक ग्रंथ :**


1. शोध प्रविधि : डॉ. विनय मोहन शर्मा : नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. शोध और सिद्धांत : डॉ. नगेन्द्र : नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी अनुसन्धान : डॉ. विजयपाल सिंह : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. पाठालोचन : डॉ. सियाराम तिवारी : स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इंद्रनाथ चौधुरी : नेशनल प्रकाशन, नई दिल्ली।

**स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर**

चतुर्थ प्रश्न पत्र

**लघु शोध-प्रबंध**

पाठ्यक्रम संख्या : HIPDLD1

**यह प्रश्नपत्र छात्र द्वारा समस्त अर्जित ज्ञान सम्पदा की प्रामाणिक प्रस्तुति के साथ ही अगर वह कभी भविष्य में कोई शोध करना चाहता है, तो यह उसकी पूर्व पीठिका भी है।**

- साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन

अथवा

- साहित्य की व्यावसायिक संभावनाओं के सन्दर्भ में से किसी एक विषय का चयन

  - **विषय का चयन छात्र तथा संबद्ध अध्यापक के विचार-विमर्श से तैयार करके विभागीय समिति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। विभागीय समिति में विभाग के समस्त अध्यापक उपस्थित रहेंगे जिसकी अध्यक्षता पदेन विभागाध्यक्ष करेगा।**

# पीएचडी कोर्स वर्क पाठ्यक्रम

**पाठ्यक्रम प्रस्तावना**

**प्री०पीएच.डी. कोर्स वर्क**

हिन्दी साहित्य के विविध क्षेत्रों एवं अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन के साथ-साथ शोध के नवीन तथ्यों व प्रविधियों से विद्यार्थियों को परिचित कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्री पीएचडी कोर्स वर्क का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत शोध की अधुनातन तकनीकी प्रविधियों एवं विश्लेषण के नए मानदंडों को अपनाते हुए पाठ्यक्रम का स्वरूप निर्मित किया गया है, जिससे शोधार्थियों को शोध संबंधी आधारभूत ज्ञान एवं उचित मार्गदर्शन मिल सके एवं विद्यार्थी अपने शोध में नवीन तकनीकों एवं प्रविधियों का लाभ उठा सकें।

**अंक योजना :**

विश्वविद्यालय निर्देशों के अनुरूप प्री-पीएच.डी. कोर्स वर्क की परीक्षा होगी।

**प्रश्न-पत्र**

**पाठ्यक्रम क्रेडिट**

1001 : अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया
1002 3 इतिहास दर्शन और आधुनिक चिंतन
*1003.1 वैकल्पिक प्रश्न-पत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य) -भक्ति साहित्य
1003.2 वैकल्पिक प्रश्न पत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य उपन्यास)
1003.3 वैकल्पिक प्रश्नपत्र (अस्मिता मूलक साहित्य)
1004 शोध आलेख और सेमिनार

* पाठ्यक्रम 1003 के अंतर्गत विद्यार्थी किसी एक विकल्प का चयन करेगा।

**प्री. पीएच.डी. कोर्स वर्क**

**पाठ्यक्रम क्रेडिट : 1001**

**अनुसंधान की प्राविधि एवं प्रक्रिया**

**प्रथम इकाई :** शोध व्युत्पत्ति और अर्थ, आलोचना, अनुसंधान अन्वेषण एवं शोध का अंतरशोध का प्रयोजन, शोध के मूल तत्व शोध और सर्जनात्मकता.

**शोध के प्रकार :** साहित्यिक शोध पाठ संबंधी शोध, वैज्ञानिक शोध, तुलनात्मक शोध, ऐतिहासिक शोध

**शोध की प्रक्रिया :** विषय चयन विषय की रूपरेखा सामग्री संकलन तथ्य संकलन,

**शोध का व्यवहारिक पक्ष :** अध्ययन क्षेत्र की सीमा, शोध प्रस्ताव इंडेक्स कार्ड प्रणाली, आधारभूत सामग्री और सन्दर्भ ग्रन्थ सूची, सामग्री संकलन की प्रक्रिया॥

**द्वितीय इकाई :** पाठानुसंधान: आशय, स्वरूप और सीमा पाठ निर्धारण एवं प्रक्रिया सामग्री संकलन के स्रोत खोज रिपोर्ट, कैटलाग्स पुस्तकें संस्थान पश्चानुसंधान और पाठालोचन में अंतर पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत,

**तृतीय इकाई :** भाषानुसंधान व्याकरण संबंधी अनुसंधान एवं शैली वैज्ञानिक अनुसंधान, लोक एवं लोक साहित्य संबंधी अनुसंधान।

**चतुर्थ इकाई :** तुलनात्मक अनुसंधान अन्तःभाषा-अंतर्भाषा, तुलनात्मक साहित्य के विभिन्न सिद्धांत फ्रांसीसी अमेरिकी और जर्मन स्कूल भारतीय सन्दर्भ में तुलनात्मक साहित्य अध्ययन के क्षेत्र और संभावनाएं तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका, साहित्य अनुसंधान में ऐतिहासिक एवं समाजशास्त्रिय प्रविधि का प्रयोग हिन्दी साहित्य में शोध का इतिहास

**पंचम इकाई : शोध एवं प्रकाशन संबंधी नैतिकता** :

विषय का सामयिक महत्त्व,शोध विषय की मौलिकता, सन्दर्भ एवं उद्धरणों का महत्त्व, प्रकाशन की मौलिकता, शोध प्रविधि में मौलिकता का महत्त्व ।

**सहायक ग्रन्थ :**


1. शोध प्रविधि महत्व : डॉ. विनय मोहन शर्मा
2. अनुसंधान प्रविधि : एस. एन. गणेशन
3. अनुसंधान का शोध सिद्धांत : डॉ. नगेन्द्र
4. हिंदी अनुसंधान : विजयपाल डॉ सिंह
5. स्वरूप : डॉ सावित्री सिन्हा
6. पाठालोचन : मिथिलेश कांटी, विमलेश कांति
7. पाठालोचन : डॉ. सियाराम तिवारी
8. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इन्द्रनाथ चौधरी

**प्री०पीएच-डी. कोर्स वर्क**
**पाठ्यक्रम क्रेडिट : 1002**
**इतिहास दर्शन और आधुनिक चिंतन**

**प्रथम इकाई :** इतिहास दृष्टि और साहित्येतिहास लेखन पद्धति, इतिहास दर्शन और साहित्यिक इतिहास। साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत विधेयवाद मार्क्सवाद और संरचनावाद, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्या।

**द्वितीय इकाई :** काल विभाजन का आधार, साहित्यिक प्रवृत्तियों का अन्तः सम्बन्ध, इतिहास औरआलोचना, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी परिप्रेक्ष्य। पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिन्दी नवजागरण, आधुनिक बोध और औद्योगिक संस्कृति साहित्य का समाजशास्त्र।

**तृतीय इकाई :** साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद, मार्क्सवाद एवं नवमार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद : फ्रायड, एडलर, युंग।

**चतुर्थ इकाई :** गांधीवाद अस्तित्ववाद रूपवाद संरचनावाद उत्तर-संरचनावाद एवं उत्तर आधुनिकतावाद, प्राच्यवाद, राष्ट्रवाद, नवउपनिवेशवाद, भूमंडलीकरण, दलित एवं स्त्री अस्मिता लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र एवं जनसंचार के साधन।

**सहायक ग्रंथ -**


1- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय
2- साहित्य का समाजशास्त्रिय चिंतन : निर्मला जैन
3- अस्तित्ववाद और मानववाद : ज्यां पाल सार्व
4- मार्क्सवादी साहित्य चिंतन : शिवकुमार मिश्र
5- वैज्ञानिक भौतिकवाद : राहुल सांकृत्यायन
6- वित्तीय पूँजी और उत्तर-आधुनिकता : राजेश्वर सक्सेना
7- आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता और नव-समाजशास्त्रीय सिद्धांत : एस.एल.दोसी
8- मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र और हिन्दी : कुँवरपाल सिंह
9- स्त्री-उपेक्षिता : सीमोन द बोउवा
10- भारतीय समाज एवं विचारधाराएँ : डी.आर.जाटव
11- हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा

**प्री-पीच-डी कोर्स वर्क**

**पाठ्यक्रम क्रेडिट : 1003.1**

**वैकल्पिक प्रश्नपत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य ) भक्तिकाव्य**

**प्रथम इकाई :** भक्ति का स्वरूप भगवद्गीता का भक्तियोग, शांडिल्य एवं नारद के भक्ति सूत्र भगवत में भक्ति का स्वरूप भक्ति आन्दोलन के उदय की ऐतिहासिक, सामाजिक सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं दार्शनिक पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप भक्ति द्राविडी ऊपनी के वैचारिक आधार, तमिल के अलवार और नायनार संत।

**द्वितीय इकाई :** रामानुजाचार्य और भक्ति दर्शन, प्रमुख वैष्णवआचार्यों के भक्ति सम्प्रदाय और दार्शनिक विचार, वीर शैव सम्प्रदाय, महाराष्ट्र के महानुभाव और वारकरी सम्प्रदाय, कबीर, नानक और उत्तर भारत में निर्गुण भक्ति की परंपरा।

**तृतीय इकाई :** बंगाल का गौड़ीय, वैष्णव सम्प्रदाय एवं प्रमुख कवि भक्ति आन्दोलन और शंकरदेव, भक्ति की गुजराती एवं उड़िया परंपरा, कश्मीरी भक्ति काव्य।

**चतुर्थ इकाई :** भक्ति की जान मीमांसा, भक्तिकाव्य में रहस्यवाद का सामाजिक पहलू भक्ति और स्त्री, भक्तिकाव्य में निहित विचारधाराएँ, भक्तिकाव्य में सामाजिक विद्रोह।

**सहायक ग्रंथ**


**1-** मध्यकालीन धर्म साधना : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

**2-** हिंदी साहित्य की भूमिका हिन्दी : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

**3-** संत तुकाराम : हरिरामचंद्र दिवेकर

**4-** उत्तरी भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी

**5-** संत साहित्य के प्रेरणास्रोत : परशुराम चतुर्वेदी

**6-** दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह

**7-** तुकाराम : भालचंद्र नेमाडे

**8-** चंडीदास : सुकार सेन,

**9-** राम दास : विश्वनाथ काशीनाथ राजवाड़े

**प्री-पीच-डी कोर्स वर्क**
**पाठ्यक्रम क्रेडिट : 1003.2**
**वैकल्पिक प्रश्न-पत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य-उपन्यास)**

**प्रथम इकाई :** भारतीय भाषाओं में उपन्यास के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्राचीन गद्य विधाएँ एवं उपन्यास का सम्बन्ध, भारतीय भाषाओं में प्रकाशित प्रथम उपन्यास, उन्नीसवीं शताब्दी के भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियां - सुधारवादी आख्यान, रम्य आख्यान, अद्भुत कथा, ऐतिहासिक उपन्यास, दास्तान और किस्सा

**द्वितीय इकाई :** यथार्थवाद का आरम्भ बंकिमचंद्र चटर्जी और फकीरमोहन सेनापति। बीसवीं शताब्दी का पूर्वार्द्ध और भारतीय उपन्यास की विशिष्ट पहचान, स्वाधीनता संग्राम की भूमिका प्रेमचंद और भारतीय किसान शरतचंद्र और भारतीय नारी की पीड़ा

**तृतीय इकाई :** भारतीय उपन्यास में नए यथार्थवाद का उदय, आचलिक जीवन के उपन्यास मनोविश्लेषणवादी उपन्यास उपन्यास और राजनीति, मध्यवर्ग और उपन्यास देश-विभाजन के उपन्यास, दलित उपन्यास

**पाठ :**

**चतुर्थ इकाई**

पदमा नदी का मांझी : मानिक बंदोपाध्याय
मछुआरे अमृत सन्तान : तकशी शिवशंकर पिल्लै गोपीनाथ माहती
गुजरात के नाथ : कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी
संस्कार : यू.आर. अनंतमूर्ति
कोसला : भालचंद्र नेमाडे
आग का दरिया मढी का दिवा : कुर्रतुल एन. हैदर गुरदयाल सिंह

**सहायक ग्रन्थ :**


1. बांग्ला साहित्य का इतिहास
2. मानिक बंदोपाध्याय सुकुमार सेन : सरोज मोहन मिश्र
3. प्रेमचंद और तकीश के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन : एम. ए. करीम
4. भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूप दर्शन : गौरीशंकर पण्ड्या
5. आज का हिन्दी उपन्यास : इन्द्रनाथ मदान
6. हिंदी उपन्यास : रामदरश मिश्र
7. हिन्दी उपन्यास समाजशास्त्रिय अध्ययन : चंडीप्रसाद जोशी
8. हिन्दी उपन्यास पहचान एवं परख : नवल किशोर

## प्री-पीच-डी कोर्स वर्क
## पाठ्यक्रम क्रेडिट : 1003.3
## वैकल्पिक प्रश्न-पत्र (अस्मितामूलक साहित्य)

**प्रथम इकाई :** भारत की सामाजिक व्यवस्था का प्राचीन स्वरूप और दलित
दलित चेतना : आशय एवं वैशिष्ट्य, ऐतिहासिक परिचय
दलित समस्या : कारण और समाधन - वैदिक, उत्तरवैदिक
सामाजिक-सांस्कृतिक आन्दोलन और दलित चेतना।

**द्वितीय इकाई :** भारतीय भाषाओं के दलित साहित्यकार हिन्दी साहित्य में दलित जीवन और दलित चेतना।

**तृतीय इकाई :** प्राचीन भारतीय सामाजिक व्यवस्था और स्त्री
स्त्री- आंदोलन का ऐतिहासिक अध्ययन, धर्म और स्त्री
स्त्री आंदोलन का भारतीय स्वरूप, पश्चिम का नारीवादी आंदोलन।

**चतुर्थ इकाई :** भारतीय नारीवादी आंदोलन पर पश्चिम का प्रभाव
नारीवाद के पाश्चात्य एवं भारतीय सिद्धान्तकार
हिन्दी में स्त्रीवादी लेखन के विविध स्वर।

**सहायक गन्ध :**


1. स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बोउवा
2. आधुनिकता के आईने में दलित : अभय कुमार दूबे
3. उपनिवेश में स्त्री : प्रभा खेतान
4. स्त्री पराधीनता : जॉन स्टुअर्ट मिल
5. दलित साहित्य की समस्याएँ : तेज सिंह
6. परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डे
7. स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका
8. बधिया स्त्री : जर्मन ग्रियर
9. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि

# विभागीय अनुशासन समिति (सत्र 2021-22)

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग.**

**हिन्दी विभाग**

**विभागीय अनुशासन समिति**

सत्र 2021-22

शिक्षक सदस्यगण

| क्रमांक | शिक्षक का नाम | पद |
|---|---|---|
| 1. | प्रो. डी. एन. सिंह | प्राध्यापक |
| 2. | डॉ गौरी त्रिपाठी | सह प्राध्यापक |
| 3. | श्री मुरली मनोहर सिंह | सहायक प्राध्यापक |
| 4. | डॉ. रमेश कुमार गोहे | सहायक प्राध्यापक |

छात्र सदस्यगण

| क्रमांक | छात्र / छात्रा का नाम | कक्षा |
|---|---|---|
| 1. | रेखराम साहू | बी ए तृतीय वर्ष |
| 2. | प्रज्ञा सिंह | एम ए द्वितीय वर्ष |

विभागाध्यक्ष

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

# हिन्दी विभाग

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

### मेंटर्स (अभिभावक) 2021-22

| क्र. | कक्षा | शिक्षकों के नाम | मो. नम्बर |
|---|---|---|---|
| 1. | बी.ए. प्रथम सेमेस्टर | श्री मुरली मनोहर सिंह<br>डॉ. राजेश मिश्र | 8319781773<br>9407691792 |
| 2. | बी.ए. तृतीय सेमेस्टर | डॉ. रमेश कुमार गोहे,<br>डॉ. शोभा बिसेन | 9425629955<br>9767738121 |
| 3. | बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर | डॉ. लोकेश कुमार<br>डॉ. जगदाले अप्पासाहेब | 9977142454<br>8787679094 |
| 4. | एम.ए. प्रथम सेमेस्टर | डॉ. अनीश कुमार<br>डॉ. अखिलेश गुप्ता | 9198955188<br>7987181649 |
| 5. | एम.ए. तृतीय सेमेस्टर | प्रो0 देवेंद्र नाथ सिंह,<br>डॉ. गौरी त्रिपाठी | 9918175000<br>9452206059 |

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर, छ.ग.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर(छ.ग.)
केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गतस्थापितविश्वविद्यालय
कोनी, बिलासपुर–495009 (छ.ग.)
दूरभाष : 07752-260017फैक्स : 07752-260154
वेबसाइट : www.ggu.ac.in

GURU GHASIDAS VISHWAVIDYALAYA, BILASPUR (C.G.)
A Central University established by the Central Universities Act, 2009
Koni, Bilaspur-495009 (C.G.)
Phone 07752-260017, FAX : 07752-260154
Website : www.ggu.ac.in

S.No. 748 /Estt/Adm/2022 Bilaspur, Date 06.04.2022

**Notification**

In continuation to the University notification No. 1708/Estt/Adm/2018 dated 14.06.2018, the Anti Ragging Committee for session for session 2021-2022 is constituted as follows;

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | Hon'ble Vice Chancellor | - | Patron |
| 2. | Dr. Rajendra Prasad Patel | - | Coordinator |
| 3. | Dr. S.K. Jain | - | Member |
| 4. | Dr. Ashish Kumar Singh | - | Member |
| 5. | Dr. Gauri Tripathi | - | Member |
| 6. | Dr. Anil Kumar Chandrakar | - | Member |
| 7. | Dr. Jai Prakash Jaiswal | - | Member |
| 8. | Dr. Ramesh Kumar Gohe | - | Member |
| 9. | Dr. T.R. Ratre | - | Member |
| 10. | Dr. Subhash Banerjee | - | Member |
| 11. | Dr. Babita Majhi | - | Member |
| 12. | Dr. Sonia Sthapak | - | Member |
| 13. | Dr. Prasenjit Panda | - | Member |
| 14. | Dr. Manorama | - | Member |
| 15. | Dr. KNVV Vara Prasad | - | Member |
| 16. | Dr. Sudhir Yadaw | - | Member |
| 17. | Dr. Gunjan Patil | - | Member |
| 18. | Dr. Dilip Kumar | - | Member |
| 19. | Shri Kailash Kumar Borkar | - | Member |
| 20. | Dr. Kundan Meshram | - | Member |
| 21. | Mrs Alka Ekka | - | Member |
| 22. | Shri Utkarsh Kumar | - | Member |
| 23. | Ms Preeti Singh | - | Member |
| 24. | CSP, City Kotwali, Bilaspur (Ex-officio) | - | Member |
| 25. | SDM, Bilaspur (Ex-officio) | - | Member |
| 26. | Shri Sunil Gupta, Editor, Nai Duniya, Bsp. | - | Member |
| 27. | Shri Shankar Lal Mathur (Parent representative)<br>F/o Mr Chhayank Mathur<br>B.A. Hon. Pol Sc. 1st Sem 2021-22 | - | Member |
| 28. | Shri Rajesh Soni, President, Employee Union | - | Member |
| 29. | One boy Student (securing highest marks in session 2020-21)-<br>(To be nominated by Coordinator in consultation with CoE) | | Member |

30. One girl Student (securing highest marks in session 2020-21)- Member
(To be nominated by Coordinator in consultation with CoE)
31. One student from Ph.D. - Member
(securing highest marks in Ph.D. course work session 2020-21)
(To be nominated by Coordinator in consultation with CoE)

By Order

Registrar (Acting)

Endt No. 749 /Est/Adm/2022 Bilaspur, Date: 06.04.2022

01. P.S./P.A. to Vice Chancellor/Registrar, for information of the Hon'ble Vice Chancellor/Registrar.
02. Coordinator/Members of the Committee for information.
03. Finance Officer/Internal Audit Officer, for information.
04. All Deans/Heads of All Departments/ Controlling officers, for information.
05. OSD/JR/AR, Development, for information.
06. Director, IQAC, for information.
07. Office file.

Assistant Registrar (Admn)

# Code of Conduct / Do's and Don'ts for the Students / Research Scholars at

# Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, CG

| Do's | Don'ts |
|---|---|
| • Use only courteous and polite language and behave with decorum with the faculty, staff, students and guests of the University.<br>• Shall be regular and punctual in attending classes and all activities connected with the University.<br>• Read notices/circulars displayed on the University Notice Board/Web site.<br>• Ignorance of not reading any notice/circular thus displayed shall not be accepted as an excuse for failing to comply with the directions contained in it.<br>• All vehicles should be parked in the allotted place.<br>• While attending University functions, students/scholars will conduct themselves in such a way as to bring credit to themselves and to the institution.<br>• The students are expected to take up all assignments, tests and examinations of this University seriously and try to perform the best. | • All shall desist from indulging in violence.<br>• Shall not talk or act in any manner in a way that would bring disrepute to the University.<br>• Gathering in groups at roads, entrance, exit and pathways, in front of Administrative building is strictly prohibited.<br>• Should not leave the class or attend it late under the pretext of paying fees, visiting the library etc.<br>• Smoking, consumption of any kind of alcoholic drinks/drugs inside the University campus is strictly prohibited.<br>• Damaging the building or any other property of the University, in any way, is strictly prohibited.<br>• Indulging in Ragging and Eve Teasing are crimes and strictly prohibited by an act promulgated by Govt. of India with the penalty of Rs.10,000/- and two years imprisonment. If any student indulges in any form of ragging or Eve-Teasing inside the University premises or outside, he/she will be summarily expelled from the University.<br>• Misconduct during examination, production of false information or |

| | |
|---|---|
| • Each student of this University must always possess Student Identity Card with his/her photograph affixed on it and duly attested by the Registrar.<br>• Use the resources of the University namely library, computers, equipments, transport, medical, communications, power, etc judiciously and effectively.<br>• File any genuine complaints to the concerned authority (Head of the Department /Dean of School) without fear. | documents for admission purpose and the failure to return materials taken on loan from the University would be seriously dealt with.<br>• Use of mobile phones/other electronic gadgets such as ipod, iphone, tablets etc. within the classrooms, laboratories, seminar halls and auditoriums is strictly prohibited. Violation of this rule by any student would result in impounding of these devices and strict disciplinary action.<br>• Students should not involve themselves either directly or indirectly in any form of politics either inside or outside the University during their period of study. |

By Order

The Chief Proctor, GGV